लखनऊ

शुक्रवार, 15 अगस्त, 2025

वर्ष : 11 । अंक: 36

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

UPHIN/2014/57034

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

"जीवन में अगर सबसे अच्छा सोचना है,तो सर्वप्रथम किसी का बुरा सोचना बंद करना होगा।"

TODAY WEATHER

DAY 37° Hi

NIGHT 26° Low

संक्षेप

दिल्ली और उत्तर प्रदेश समेत कई राज्यों में भारी बारिश से मुसीबत बढ़ी, अलर्ट जारी

नईदिल्ली। दिल्ली समेत पूरे भारत में मानसून पूरी तरह पैठ बना चुका है। लगातार हो रही बारिश से इलाकों में जलभराव की समस्या हो रही है। बारिश 15 अगस्त की छुट्टी के साथ ही लंबे वीकेंड प्लान को भी चौपट कर सकता है। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने गुरुवार को दिल्ली-एनसीआर के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इन इलाकों में 20 अगस्त तक तेज बारिश की संभावना है। हालांकि, रेल और हवाई सेवाओं पर असर नहीं दिखा है। दिल्ली में 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस समारोह से पहले कई प्रमुख इलाके पानी में डूब गए और कई अंडरपास पानी से लबालब भर गया। लाजपत नगर, आरके पुरम, लोधी रोड और दिल्ली-हरियाणा सीमा सहित क्षेत्रों में भारी बारिश हुई है। दिल्ली में सुब्रतो पार्क के पास आउटर रिंग रोड, पटपड़गंज और गुरुग्राम में बसई रोड पर भी सड़कों पर पानी भर गया। दिल्ली में यमुना का जलस्तर भी तेजी से बढ़ रहा है। यहां सुबह से बारिश जारी है। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ समेत कई जिलों में बुधवार से बारिश हो रही है, जिसके चलते स्कूल बंद कर दिए गए हैं। गोमती नगर में लोग घुटनों तक पानी में चलते दिखे। आईएमडी ने कन्नौज, मुरादाबाद, बरेली, झांसी समेत 58 जिलों में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। उत्तराखंड में भी बारिश जारी है। यहां पिथौरागढ़, उत्तरकाशी, हरिद्वार, टिहरी और देहरादून के स्कूल बंद रहेंगे। पहाड़ी राज्यों के कुछ इलाकों में ऑरेंज और रेड अलर्ट जारी है।

अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के आदिवासी छात्रों से मिले राजनाथ सिंह, दिया बड़ा संदेश

नई दिल्ली, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को नई दिल्ली के साउथ ब्लॉक में अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के आदिवासी समुदायों के 30 मेधावी उच्चतर माध्यमिक छात्रों के साथ बातचीत की। रक्षा मंत्री के साथ छात्रों की यह बातचीत अंडमान और निकोबार कमान (एएनसी) द्वारा आयोजित सात दिवसीय राष्ट्रीय एकता यात्रा, आरोहण: द्वीप से दिल्ली का हिस्सा है। ये छात्र 15 अगस्त, 2025 को लाल किले में स्वतंत्रता दिवस समारोह के भी साक्षी बनेंगे। बातचीत के दौरान, रक्षा मंत्री ने मानवीय मूल्यों के महत्व पर ज़ोर दिया और उन्हें व्यक्ति के चरित्र निर्माण में सबसे महत्वपूर्ण पहलू बताया। उन्होंने छात्रों से मानवीय मूल्यों में दृढ़ रहने और शैक्षणिक गतिविधियों के साथ-साथ अपने चरित्र निर्माण पर भी समान रूप से ज़ोर देने का आह्वान किया। सिंह ने छात्रों से हर चुनौती का आत्मविश्वास और निडरता से सामना करने का आग्रह किया। उन्होंने छात्रों को आने वाले समय में भारत को सबसे शक्तिशाली राष्ट्रों में से एक बनाने में योगदान देने के लिए प्रेरित किया और उनके भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं दीं। मंत्री महोदय ने अतिथि छात्रों को अपना स्नेह व्यक्त करते हुए मिठाइयाँ भेंट कीं और द्वीपसमूह के स्थानीय आदिवासी कारीगरों द्वारा निर्मित पारंपरिक स्मारिका भेंट के साथ बैठक का समापन हुआ।

किश्तवाड़ में फटा बादल, 17 लोगों के शव बरामद किए गए, पुल क्षतिग्रस्त

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले के चिशोती गांव में बादल फटने की घटना सामने आई है, जिसमें जान-माल की क्षति की आशंका है। यह घटना मछेल माता यात्रा के मार्ग पर स्थित पदर उपखंड में हुई है। बचाव कार्य जारी है। प्रशासन ने स्थिति का जायजा लेने के लिए टीमों को भेजा है।

17 शव बरामद कर लिए गए है। जानकारी के अनुसार, बादल फटने की घटना के बाद चिशोती गांव में अचानक बाढ़ आ गई, जिससे कई घरों को नुकसान पहुंचा है। अभी तक आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन जान-माल की क्षति की आशंका है।

जिला प्रशासन और एनडीआरएफ की टीमें बचाव कार्य में जुटी हुई हैं। दोनों पुल, लकड़ी का पुल और पीएमजीएसवाई पुल, क्षतिग्रस्त हो गए हैं। किश्तवाड़ के उपायुक्त पंकज कुमार शर्मा ने बताया

कि चशोती इलाके में अचानक बाढ़ आ गई है, जो मचैल माता यात्रा का प्रारंभिक बिंदु है। बचाव अभियान शुरू कर दिया गया है। स्थिति पर नजर रखी जा रही है।

विपक्ष के नेता सुनील कुमार शर्मा और स्थानीय विधायक ने घटनास्थल का दौरा किया है और राहत कार्यों की निगरानी कर रहे हैं। अभी तक आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन प्रशासन स्थिति का जायजा लेने में जुटा हुआ है।

केंद्रीय राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के नेता प्रतिपक्ष और स्थानीय विधायक सुनील कुमार शर्मा से तत्काल संदेश मिलने के बाद अभी-अभी किश्तवाड़ के उपायुक्त पंकज कुमार शर्मा से बात की। चोसिटी क्षेत्र में भीषण बादल फटा है, जिससे बड़ी जनहानि हो सकती है। प्रशासन तुरंत कार्रवाई में जुट गया है, बचाव दल घटनास्थल के लिए रवाना हो गया है। नुकसान का आकलन किया जा रहा है और आवश्यक बचाव एवं चिकित्सा प्रबंधन की व्यवस्था की जा रही है।

जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल कार्यालय ने ट्वीट किया है कि 'चोसिटी किश्तवाड़ में बादल फटने की घटना से व्यथित हूं। शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं। सिविल, पुलिस, सेना, एनडीआरएफ और एसडीआरएफ अधिकारियों को बचाव और राहत अभियान को मजबूत करने और प्रभावितों को हर संभव सहायता प्रदान करने का निर्देश दिया गया है।'

जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जले के चिशौती गांव में बादल फटने से भारी तबाही मची है, जहां करीब 20 लोगों को रेस्क्यू किया गया है, जबकि कई लोग लापता हैं और नुकसान का पूरा आंकलन अभी नहीं हो सका है। लाइव स्टॉक को भी भारी क्षति हुई है और घटना स्थल किश्तवाड़ मुख्यालय से लगभग 80-90 किलोमीटर दूर है। मचैल माता यात्रा को फिलहाल स्थगित कर दिया गया है और एंबुलेंस व रेस्क्यू वाहन लगातार मौके की ओर भेजे जा रहे हैं।

बादल फटने से भारी बारिश और बाढ़ आई, जिससे लंगर, दुकानें और एक सुरक्षा चौकी बह गई। कई घरों को भी नुकसान पहुंचा है। प्रशासन ने तुरंत बचाव और राहत कार्य शुरू किया। एनडीआरएफ की दो टीमें भी मौके पर भेजी गई हैं।

उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह, विपक्ष के नेता सुनील कुमार शर्मा, पूर्व मुख्यमंत्री गुलाम नबी आजाद और भाजपा नेता जहांजैब सिरवाल ने घटना पर शोक जताया और सरकार से तेज राहत कार्य करने की अपील की। इस हादसे के बाद मचैल माता यात्रा को फिलहाल स्थगित कर दिया गया है।

भारी नुकसान की आशंका

जम्मू-कश्मीर के नेता प्रतिपक्ष और पद्दर-नागसेनी के विधायक सुनील कुमार शर्मा ने कहा कि हमारे पास अभी तक कोई संख्या या डेटा नहीं है, लेकिन वहां भारी नुकसान की आशंका है। फिलहाल हमारे पास कोई संख्या या डेटा नहीं है। यात्रा जारी होने के कारण, इलाका भीड़भाड़ वाला है। मैं उपराज्यपाल से बात करूंगा और बचाव कार्यों के लिए एनडीआरएफ टीम की मांग करूंगा।

'राहुल गांधी ने संविधान नहीं पढ़ा है और न ही उसका सम्मान करते हैं', विपक्ष के नेता पर किरेन रिजिजू का तंज

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने गुरुवार को कांग्रेस सांसद राहुल गांधी पर चुनाव आयोग पर वोट चोरी के आरोपों को लेकर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि लोकसभा में विपक्ष के नेता ने संविधान नहीं पढ़ा है और न ही उसका सम्मान करते हैं। मीडिया से बात करते हुए, रिजिजू ने कहा कि राहुल गांधी ने संविधान नहीं पढ़ा है और न ही उसका सम्मान करते हैं। मेरे पास राहुल गांधी को सुधारने के लिए कोई दवा नहीं है। सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी के बाद उन्हें होश में आना चाहिए।

रिजिजू बिहार में एसआईआर पर सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी का हवाला दे रहे थे, जिसमें चुनाव आयोग द्वारा मतदाता सूची में संशोधन को सही ठहराया गया था और यह स्वीकार किया गया था कि आधार कार्ड नागरिकता का निर्णायक प्रमाण नहीं है। कांग्रेस में कई बुद्धिमान लोगों की मौजूदगी का ज़िक्र करते हुए, किरण रिजिजू ने उनसे राहुल गांधी को कुछ सद्बुद्धि देने का अनुरोध किया। उन्होंने तंज भरे लहजे में कहा कि कांग्रेस में भी कुछ चतुर लोग हैं; सभी राहुल गांधी जैसे नहीं हैं। उन्हें एकजुट होकर राहुल गांधी को कुछ सद्बुद्धि देनी चाहिए। राहुल गांधी द्वारा साझा किए गए उस वीडियो के बारे में, जिसमें वे चुनाव आयोग द्वारा मृत घोषित किए गए लोगों से मिले थे, किरण रिजिजू ने इसे नाटक बताते हुए दोहराया कि चुनाव आयोग का काम मृत लोगों के नाम हटाना और नए मतदाताओं के नाम जोड़ना है।

'इनकी सोच कुएं के मेंढक जैसी', सपा पर मुख्यमंत्री योगी का तंज, कहा- दुनिया आगे बढ़ी, लेकिन वो परिवार में सिमटे

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। विज़न डॉक्यूमेंट 2047 पर 24 घंटे चली चर्चा के दौरान, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को समाजवादी पार्टी की आलोचना करते हुए कहा कि यह पार्टी कुएं के मेंढक की तरह है - दुनिया आगे बढ़ रही है, लेकिन ये लोग अपने तक ही सीमित रहते हैं। सपा पर वार करते हुए उन्होंने कहा कि आपका (समाजवादी पार्टी) परिवार विकास प्राधिकरण भी इसका एक उदाहरण है, ये लोग सिर्फ़ अपने तक ही सीमित रहना जानते हैं। स्वामी विवेकानंद ने अपनी कहानियों में इस बारे में कहा था।

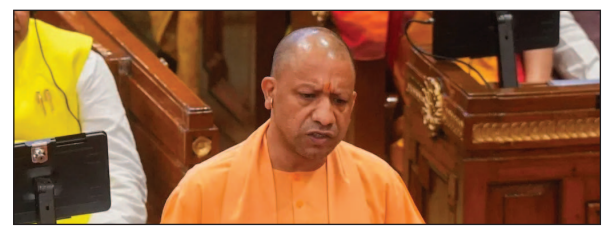

योगी ने आगे कहा कि समाजवादी पार्टी की हालत कुएं के मेंढक जैसी है। दुनिया आगे बढ़ रही है, लेकिन आप सिर्फ़ अपने परिवारों तक ही सीमित रहना जानते हैं। और आप उत्तर प्रदेश के साथ भी यही करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि इस चर्चा में 187 सदस्यों ने हिस्सा लिया है। हमें इस पर भविष्य के लिए रणनीति बनानी होगी। हम इस पर सभी हितधारकों से बात करेंगे। मैं सभी सदस्यों, विशेषकर विपक्ष के नेता, का इस चर्चा में भाग लेने के लिए आभार व्यक्त करता हूँ।

योगी ने कहा कि जब हम इस विज़न डॉक्यूमेंट पर चर्चा कर रहे थे, तो मैंने दो-तीन बातें देखीं। हर विधानसभा क्षेत्र को सरकारी योजनाओं का लाभ मिलना चाहिए और विकास का गवाह बनना चाहिए। एक विकसित उत्तर प्रदेश ही एक विकसित राष्ट्र के सपने को साकार कर सकता है। मैंने देखा कि कुछ लोग विकास की कम और बिजली की ज़्यादा बात कर रहे थे। सपा पर तंज सकते हुए उन्होंने कहा कि आपका (समाजवादी पार्टी) परिवार विकास प्राधिकरण भी इसका एक उदाहरण है, ये सिर्फ़ अपने तक ही सीमित रहना जानते हैं। स्वामी विवेकानंद ने अपनी कहानियों में इसी बारे में कहा था। समाजवादी पार्टी की हालत कुएँ के मेंढक जैसी है। दुनिया आगे बढ़ रही है, लेकिन आप सिर्फ़ अपने परिवार तक ही सीमित रहना जानते हैं। और आप उत्तर प्रदेश के साथ भी यही करना चाहते हैं।

समाजवादी पार्टी पर हमला जारी रखते हुए उन्होंने कहा कि वे मथुरा-वृंदावन में हो रहे विकास कार्यों पर चर्चा नहीं करेंगे, क्योंकि उन्होंने 2016 में ही कह दिया था कि वे दुर्योधन का स्मारक बनाएंगे। उन्होंने दावा किया कि हम राज्य में 22 एक्सप्रेसवे बनाने पर काम कर रहे हैं...मेरठ-प्रयागराज गंगा एक्सप्रेसवे देश का सबसे बड़ा एक्सप्रेसवे होगा। भारत की पहली रैपिड मेट्रो मेरठ से दिल्ली तक जाती है...लेकिन वे (समाजवादी पार्टी) यह सब विकास नहीं देख सकते...आज, यूपी में देश का सबसे बड़ा रेल नेटवर्क है...राज्य में चार चालू हवाई अड्डे हैं, और पांचवां जेवर होगा, जो देश का सबसे बड़ा हवाई अड्डा होगा।

अधिकारियों और किसानों के बीच मिलीभगत की जांच करेगी एसआईटी

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों और किसानों के बीच कथित मिलीभगत की प्रारंभिक जांच दर्ज करने का निर्देश दिया, जिन्हें कथित तौर पर उनकी जमीन के लिए बढ़ा हुआ मुआवजा मिला था। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाला बागची की पीठ के समक्ष यह मामला बुधवार को सुनवाई के लिए आया।

पीठ ने उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक को मामले में नई एसआईटी (विशेष जांच दल) गठित करने का निर्देश दिया। पीठ ने एसआईटी को न्यू ओखला औद्योगिक विकास प्राधिकरण के कामकाज की गहन जांच करने को कहा। शीर्ष अदालत का यह निर्देश दूरगामी है, क्योंकि इस बात की प्रबल संभावना है कि इससे जमीन मालिकों और अधिकारियों के बीच लेन-देन का खुलासा हो सकता है।

सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित नई एसआईटी, जनवरी में गठित एक पूर्व विशेष जांच दल का स्थान लेगी, जिसका उद्देश्य यह पता लगाना था कि क्या वास्तव में एक प्राथमिकी में दर्ज आरोपों की पृष्ठभूमि में जमीन मालिकों को बढ़ा-चढ़ाकर भुगतान किया गया था।

शीर्ष अदालत ने पूर्व एसआईटी की रिपोर्ट की जांच के बाद यह आदेश पारित किया, जिसमें नोएडा के कामकाज में कमियों की ओर इशारा किया गया था। पीठ ने नोएडा को पूर्व पर्यावरणीय प्रभाव आकलन (ईआईए) और सुप्रीम कोर्ट की हरित पीठ, जो पर्यावरण-संवेदनशील क्षेत्रों में विकास परियोजनाओं की निगरानी करती है, की स्वीकृति के बिना क्षेत्र में किसी भी नई परियोजना को मंजूरी देने से भी रोक दिया। नई एसआईटी प्रारंभिक जांच तुरंत दर्ज करेगी और पिछली एसआईटी द्वारा उठाए गए मुद्दों की जांच करेगी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जब नई एसआईटी को भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज करने से पहले अधिकारियों पर मुकदमा चलाने के लिए पूर्व अनुमति लेनी होगी, तो सक्षम प्राधिकारी को आवेदन जमा करने के दो सप्ताह के भीतर अनुमति देनी होगी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि डीजीपी तीन आईपीएस अधिकारियों वाली एक एसआईटी गठित करेंगे जो पिछली एसआईटी द्वारा उठा गए मुद्दों की जांच करेगी।

दुस्साहस किया तो...पाकिस्तान की गीदड़भभकी पर भारत का मुंहतोड़ जवाब

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के खिलाफ पाकिस्तानी नेतृत्व की टिप्पणियों पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि हमने पाकिस्तानी नेतृत्व की ओर से भारत के खिलाफ लगातार जारी लापरवाह, युद्धोन्मादी और घृणास्पद टिप्पणियों की खबरें देखी हैं। अपनी नाकामियों को छिपाने के लिए बार-बार भारत विरोधी बयानबाजी करना पाकिस्तानी नेतृत्व की एक जानी-मानी आदत है। पाकिस्तान को अपनी बयानबाजी पर संयम बरतने की सलाह दी जाएगी, क्योंकि किसी भी दुस्साहस के दर्दनाक परिणाम होंगे, जैसा कि हाल ही में दिखा। भारत तथाकथित 'फैसले' के लिए पाकिस्तान के चुनिंदा और भ्रामक संदर्भों को भी स्पष्ट रूप से खारिज करता है।

तिहाड़ जेल में वसूली रैकेट! जेल अधीक्षक समेत 9 अधिकारी निलंबित

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली स्थित तिहाड़ जेल के अंदर जबरन वसूली के मामले में जेल के नौ अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया है। दिल्ली सरकार के वकील ने हाईकोर्ट को बताया कि जबरन वसूली रैकेट के संबंध में अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू की गई है, जिसमें कर्मचारी और कैदी दोनों शामिल हैं। आरोप है कि तिहाड़ जेल में रुपया लेकर कैदियों को सुविधा उपलब्ध कराया जाता था। रिपोर्ट के मुताबिक दिल्ली सरकार के वकील ने मुख्य न्यायाधीश डीके उपाध्याय और न्यायमूर्ति तुषार राव गेडेला की पीठ को बताया कि सभी नौ अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया है। वकील ने आश्वासन दिया है कि हम दो महीने के अंदर अपनी रिपोर्ट सौंप देंगे। कोर्ट ने दलीलें दर्ज करते हुए आग्रह किया कि अनुशासनात्मक नियमों का कानून के अनुसार सख्ती से पालन किया जाए और दिल्ली सरकार और सीबीआई दोनों को स्थिति रिपोर्ट दाखिल करने के लिए आठ सप्ताह का समय दिया। अगली सुनवाई 28 अक्टूबर होगी।

दिल्ली हाईकोर्ट ने सोमवार को कथित रैकेट पर कड़ी चिंता व्यक्त की थी और टिप्पणी की थी कि कुछ कैदियों को अनुचित विशेषाधिकार प्राप्त करना अस्वीकार्य है। जबकि अन्य को बुनियादी जरूरतों से वंचित रखा जाता है। कोर्ट ने सीबीआई को अपनी प्रारंभिक जांच (पीई) रिपोर्ट की जांच के बाद एक एफआईआर दर्ज करने और जांच करने का निर्देश दिया था, जिसमें अवैध गतिविधियों में कैदियों और जेल कर्मचारियों के बीच मिलीभगत की ओर इशारा किया गया था। यह मामला व्यवसायी मोहित कुमार गोयल की याचिका पर शुरू किया गया था, जिन्हें धोखाधड़ी के एक मामले में गिरफ्तार किया गया था और बाद में जमानत पर रिहा कर दिया गया था। गोयल ने आरोप लगाया कि तिहाड़ जेल के अंदर जबरन वसूली का नेटवर्क चल रहा था। उनके दावों के बाद, कोर्ट ने सितंबर 2024 में जेल का निरीक्षण करने का आदेश दिया। निरीक्षण करने वाले न्यायाधीश की 7 अप्रैल की रिपोर्ट में जबरन वसूली के लिए जेल के लैंडलाइन का दुरुपयोग किया गया और जेल अधिकारियों से जुड़ी गंभीर अनियमितताओं को भी चिह्नित किया गया।

जमीनी हकीकत पर विचार करने की जरूरत

जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा बहाल करने की याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा

नई दिल्ली, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग वाली याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि जमीनी हकीकत को ध्यान में रखना होगा। साथ ही पहलगाम में जो हुआ है उसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

भारत के मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा, आपको जमीनी हकीकत को भी ध्यान में रखना होगा। पहलगाम में जो हुआ है उसे आप नजरअंदाज नहीं कर सकते। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन की पीठ से इस मामले की सुनवाई आठ हफ्ते बाद करने का अनुरोध किया। पीठ आठ हफ्ते बाद मामले की सुनवाई के लिए सहमत हो गई।

सुनवाई के दौरान मेहता ने कहा कि जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा दिलाने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं, लेकिन देश के इस हिस्से से अजीबोगरीब हालात सामने आ रहे हैं। मेहता ने कहा, निर्णय लेने की प्रक्रिया में कई बातों पर विचार किया जाता है और मुझे नहीं लगता कि इस समय इस पर कोई फैसला लिया जाएगा। मुझे नहीं पता कि इस मुद्दे को क्यों उठाया जा रहा है, लेकिन आठ हफ्ते बाद इस पर सुनवाई होगी और मैं निर्देश लूँगा।

मेहता ने कहा कि यह विशेष चरण पानी को गंदा करने का सही चरण नहीं है। पीठ ने मेहता से संविधान पीठ द्वारा राष्ट्रपति के संदर्भ पर सुनवाई के बाद सरकार का जवाब दाखिल करने को कहा। एक वकील ने जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा देने के लिए सरकार द्वारा सर्वोच्च न्यायालय को दिए गए आश्वासन की ओर इशारा किया।

दिसंबर 2023 में सुप्रीम कोर्ट ने सर्वसम्मति से अनुच्छेद 370 को हटाने के फैसले को बरकरार रखा, साथ ही आदेश दिया कि जम्मू-कश्मीर में सितंबर 2024 तक विधानसभा चुनाव कराए जाएं और इसका राज्य का दर्जा जल्द से जल्द बहाल किया जाए। पिछले साल शीर्ष अदालत में एक याचिका दायर कर केंद्र को दो महीने के भीतर जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करने का निर्देश देने की मांग की गई थी। यह आवेदन शिक्षाविद जहूर अहमद भट और सामाजिक-राजनीतिक कार्यकर्ता खुर्शीद अहमद मलिक ने दायर किया था।

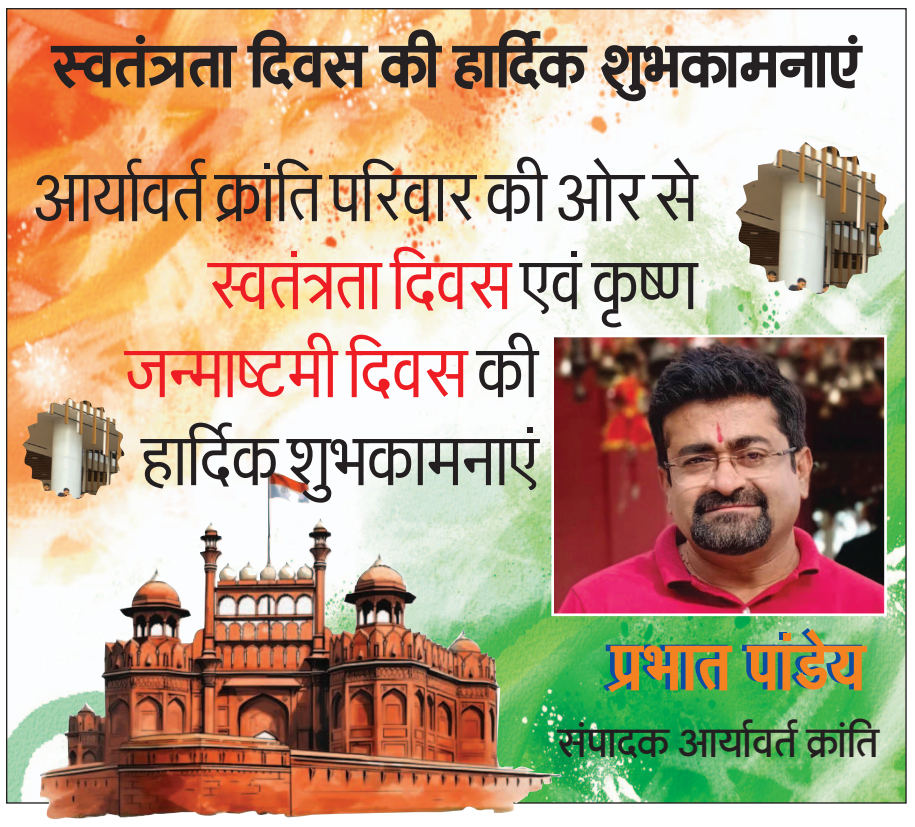

होटल में 55 विधायकों की बैठक, अधिकतर थे ठाकुर, विधायक रामवीर की दावत ने पकाई सियासी खिचड़ी; देनी पड़ी सफाई

आर्यावर्त संवाददाता

मुरादाबाद। लखनऊ में सोमवार को कुंदरकी विधायक रामवीर सिंह की ओर से दी गई दावत लखनऊ से लेकर मुरादाबाद तक चर्चाओं में है। जब इसके सियासी मायने निकाले जाने लगे तो कुंदरकी विधायक रामवीर सिंह को फेसबुक पर पोस्ट कर सफाई देनी पड़ी।

उन्होंने खुद को सर्व समाज के लिए सक्रिय रहने वाला बताते हुए कुटुंब परिवार का कार्यक्रम आयोजित करने से इन्कार किया है। कुंदरकी विधानसभा क्षेत्र के उपचुनाव में रिकॉर्ड मतों से जीतने वाले विधायक रामवीर सिंह पिछले तीन दिनों से सूबे की सियासत की सुर्खियां बने हुए हैं।

लखनऊ में उनकी मौजूदगी में हुए कुटुंब परिवार का कार्यक्रम

सोशल मीडिया पर तरह-तरह की चर्चाओं के साथ वायरल हो रहा है। कार्यक्रम में एक साथ 40 विधायकों के जुटने पर भाजपा में भी सियासी हलचल पैदा हो गई है। हालांकि इस संबंध में जिले के नेता कुछ भी बोलने से बचते रहे लेकिन इनके बीच इस दावत की बात खूब हो रही है।

विधायकों का कहना है कि कुंदरकी विधायक रामवीर सिंह की ओर से यह आयोजन किया गया था। जीत की खुशी में उन्होंने सभी को जलपान पर बुलाया था। वहीं कुछ का कहना है कि रामवीर सिंह की पोती का जन्मदिन था। इस आयोजन का कोई राजनीतिक मकसद नहीं था। फिलहाल विधायक रामवीर सिंह ने भी फेसबुक पर अपनी बात लिखकर लंबी चौड़ी सफाई दी है। उन्होंने कहा कि पोती के जन्मदिन पर दी गई दावत को राजनीतिक रंग दिया जा रहा है। सोशल मीडिया पर गलत ढंग से इसे प्रचारित किया जा रहा है। यह छवि बिगाड़ने के लिए दुष्प्रचार है।

1.44 लाख वोटों से उपचुनाव जीतकर चर्चाओं में आए विधायक रामवीर

पिछले साल नवंबर में कुंदरकी सीट पर हुए उपचुनाव में रिकॉर्ड मतों से जीत दर्जकर विधायक रामवीर सिंह चर्चाओं में आ गए थे। मुस्लिम बहुल सीट पर सपा उम्मीदवार पूर्व विधायक हाजी रिजवान को 1,44,791 मतों से हराया था। कुंदरकी विधानसभा सीट के 57 साल के इतिहास में यह सबसे बड़ी जीत रही। इस सीट पर भाजपा को 31 साल बाद जीत मिली थी।

फेसबुक पर कुंदरकी विधायक रामवीर सिंह की पोस्ट

सोमवार को मेरी पोती के जन्मदिन पर मेरे शुभचिंतकों द्वारा एक पार्टी का आयोजन किया गया था। उस पार्टी में मेरे पारिवारिक मित्र और घर-परिवार के लोग शामिल हुए। हालांकि इस पारिवारिक आयोजन को कुछ मीडिया संस्थानों ने राजनीतिक और जातीय रंग देने की भरपूर कोशिश की है जो सही नहीं है।

मैं राजनीतिक जीवन में सर्व समाज के लिए काम करता हूं और जिस पार्टी का मैं प्रतिनिधित्व करता हूं उसमें जातीय राजनीति की कोई जगह नहीं है। दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय की परिकल्पना को साकार करने के लिए मैं राजनीति में आया हूं और इसी विचारधारा के साथ संकल्पित रहूंगा।

इसलिए हो रही चर्चा

सियासी गलियारों में इसकी चर्चा इसलिए भी ज्यादा है क्योंकि पिछले लोकसभा चुनाव में ठाकुरों की नाराजगी की बात भी सामने आई थी। ऐसे में आगे राजनीति में इस वर्ग की अनदेखी न हो, इसके लिए भी इस बैठक को एक इशारे के तौर पर देखा जा रहा है।

नौ महीने में 11 बार सीएम से मुलाकात भविष्य में मंत्री पद मिलने की चर्चा

कुंदरकी उपचुनाव जीतने के बाद विधायक रामवीर सिंह अब तक करीब हर महीने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से लखनऊ में मिल रहे हैं। पिछले नौ महीने में वह 11 बार सीएम से मुलाकात कर चुके हैं। इन मुलाकातों की भी लखनऊ की सियासत में काफी चर्चा है। भविष्य में रामवीर सिंह के मंत्री बनने के कयास भी दमदार तरीके से लगाए जा रहे हैं।

यह था मामला

सोमवार को लखनऊ के एक होटल में विधानसभा सत्र के बाद 55 विधायक पहुंचे थे। वहां पर 'कुटुंब परिवार' का बैनर भी लगाया गया था जिसपर कार्यक्रम के आयोजक के तौर पर कुंदरकी के विधायक ठाकुर रामवीर सिंह और एमएलसी डॉ. जयपाल सिंह व्यस्त का नाम लिखा गया था। बैनर पर दोनों नेताओं के फोटो भी लगे थे।

आयोजन में शामिल विधायकों में अधिकांश क्षत्रिय थे। गिने चुने विधायक ही दूसरी जाति के थे। चर्चा है कि अभिजीत सांगा, एमएलसी शैलेंद्र प्रताप सिंह सहित कई भाजपा विधायक शामिल हुए। वहीं सपा से निष्कासित राकेश प्रताप सिंह, अभय सिंह भी दावत में गए थे।

विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर संगोष्ठी का हुआ आयोजन

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। गनपत सहाय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के सीताकुंड स्थित महिला परिसर के सभागार कक्ष में भारत सरकार के निर्देशानुसार राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वाधान में विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के अवसर पर महाविद्यालय के प्रबंधक डॉ ओम प्रकाश पाण्डेय बजरंगी के आशीर्वाद और महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. अंग्रेज सिंह की अध्यक्षता में संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य द्वारा किया गया। अपने अध्यक्षीय संबोधन में प्राचार्य ने कहा कि 14 अगस्त 1947 में देश का विभाजन किया गया और विश्व के नक्शे पर पाकिस्तान का जन्म हुआ, जोकि हमारे देश के लिए एक दुःखद घटना थी। मुख्य अतिथि के रूप में भौतिक विज्ञान विभाग के विषय प्रभारी एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के पूर्व कार्यक्रम समन्वयक प्रो. समीर सिन्हा ने अपने संबोधन में कहा कि देश का विभाजन एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना थी जिसकी पीड़ा आज भी हम सभी महसूस कर सकते है। विशिष्ट अतिथि के रूप में समाजशास्त्र विभाग के प्रो. मनोज मिश्र ने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए इतिहास की इस घटना पर विस्तार से चर्चा की। डॉ आलोक तिवारी, डॉ विनय कुमार मिश्र द्वारा भी छात्र - छात्राओं को संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ विष्णु शंकर अग्रहरि द्वारा किया गया। डॉ भोलानाथ ने आए हुए अतिथियों का धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में करण साहू, शौर्य, सुहानी, दिव्या आदि का विशेष सहयोग रहा। इस अवसर पर डॉ देवेन्द्र प्रताप सिंह, डॉ अशोक कुमार शुक्ल, डॉ देवेन्द्र नाथ मिश्र के साथ समस्त कार्यक्रमाधिकारी और बड़ी संख्या में छात्र -छात्राएं उपस्थित रहे।

बीएलओ ड्यूटी पर शिक्षक संघ ने जताया विरोध, सौंपा ज्ञापन

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। पंचायत चुनाव की तैयारियों के तहत चल रहे मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य में बेसिक शिक्षकों को बीएलओ की ड्यूटी सौंपे जाने पर उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ ने कड़ा विरोध जताया है। गुरुवार को संघ के मंडल मंत्री अयोध्या एवं जिला अध्यक्ष दिलीप कुमार पाण्डेय के नेतृत्व में सैकड़ों शिक्षकों का प्रतिनिधिमंडल जिलाधिकारी कुमार हर्ष से मिला और शिक्षकों को बीएलओ ड्यूटी से मुक्त करने की मांग की।जनपदीय प्रवक्ता निजाम खान ने बताया कि डीएम को ज्ञापन सौंपने से पहले शिक्षक तिकोना पार्क में एकत्र हुए और वहां से कलेक्ट्रेट स्थित जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचे। शिक्षकों की अधिक संख्या देखते हुए डीएम ने संघ के चार पदाधिकारियों को वार्ता के लिए बुलाया। वार्ता में अध्यक्ष दिलीप

पाण्डेय, मंत्री डॉ. ह्रषिकेष भानु सिंह, प्रवक्ता निजाम खान और महिला प्रतिनिधि पूजा शर्मा शामिल रहीं। संघ पदाधिकारियों ने डीएम से कहा कि इससे पहले कभी भी बेसिक शिक्षकों को बीएलओ की जिम्मेदारी नहीं दी गई थी। बीएलओ ड्यूटी लगाने से शिक्षण कार्य बाधित होगा और बच्चों की पढ़ाई पर प्रतिकूल असर पड़ेगा।जिला मंत्री डॉ. ह्रषिकेष भानु सिंह ने कहा कि "शिक्षकों को तत्काल बीएलओ ड्यूटी से मुक्त किया जाए।" वहीं, जिला उपाध्यक्ष विनोद यादव ने कहा कि शिक्षकों का मुख्य कार्य शिक्षण है, लेकिन बार-बार गैर शैक्षणिक कार्यों में लगाने से न केवल अतिरिक्त बोझ बढ़ता है, बल्कि विद्यार्थियों का नुकसान भी होता है। इस मौके पर वरिष्ठ उपाध्यक्ष वीरेंद्र नारायण मिश्रा, डॉ रीतेश सिंह,विनोद पाण्डेय,अब्दुल मजीद,संदीप शर्मा, हेमंत यादव, नरेंद्र पाण्डेय, मुजफ्फर कलीम खान, शिव नारायण वर्मा, धीरेंद्र राव, बिमलेश कुमार, अखिलेश सिंह, मैथिली शरण,विमल शुक्ला,विनय पाण्डे, रमन तिवारी, राजमणि यादव,राज कुमार यादव असरार अहमद अंजनी नंदन पाण्डेय इत्यादि सैकड़ों शिक्षक उपस्थिति रहे।

पूर्वांचल एक्सप्रेस से नीचे गिरा ट्रक चालक घायल

लखनऊ। गोसाईगंज इलाके में गुरुवार की दोपहर आचानक एक ट्रक पूर्वांचल एक्सप्रेस के नीचे गिर गया। जिसमें सवार चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पाकर मौके पर पहुंची गोसाईंगंज पुलिस ने चालक को ट्रक से निकाल कर इलाज के लिए सीएचसी भेजा। जहां उसे प्राथमिक उपचार के बाद ट्रामा ने लिए रिफर कर दिया गया। गोसाईंगंज इंस्पेक्टर दिनेश चंद्र त्रिपाठी ने बताया कि पूर्वांचल एक्सप्रेस 17 किलोमीटर पर एक गुरुवार की दोपहर ट्रक नीचे गिर गया। इस सूचना पर गोसाईगंज पुलिस पर पहुंची तो देखा कि लखनऊ से गाजीपुर की तरफ जाने वाले पूर्वांचल एक्सप्रेसवे से एक ट्रक नीचे गिर गया जिसका नम्बर RJ14 GR 6564 जिसमें मात्र चालक किरोड़ी लाल मीणा निवासी अजबगढ़ थाना प्रतापगढ़ जिला अलवर, राजस्थान सवार था। जिसे घायल अवस्था में उपचार हेतु सीएचसी गोसाईगंज भेजा गया है। चालक को गंभीर चोट होने के कारण प्राथमिक उपचार के बाद उसे ट्रामा रिफर कर दिया गया।

सशस्त्र बल द्वारा हथियारों का प्रदर्शन

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। सुशान्त गोल्फ सिटी में हर घर तिरंगा अभियान के तहत लखनऊ के लुलु शॉपिंग मॉल में सशस्त्र सीमा बल चतुर्थ वाहिनी के द्वारा हथियार प्रदर्शनी का आयोजन किया गया । जिसमें सीमांत मुख्यालय लखनऊ से एस डी शेरखानी ,उपमहानिरीक्षक , रामबीर सिंह यादव ,उपकमांडेंट ,निरीक्षक सुमित पांडे एवं अन्य बलकर्मिक उपस्थित रहे । इस अवसर पर उपमहानिरीक्षक के द्वारा स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दी गई और देश की आजादी में प्राण गवाने वाले क्रांतिकारियों को याद किया गया । कार्यक्रम में सीमांत लखनऊ के जाज बैंड टीम के द्वारा देशभक्ति गीत प्रस्तुत किए गए और आए हुए आगंतुकों का मनोरंजन किया गया तथा विभिन्न हथियारों की जानकारी दी गई ।

मासूम पर उतारा पत्नी का गुस्सा : इस पिता ने जिस तरह की तीन वर्षीय बेटे की हत्या, जानकर खौल उठेगा खून

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

मैनपुरी. मैनपुरी के बिछवां थाना क्षेत्र के गांव चिटौआ में बृहस्पतिवार दोपहर एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। नशे के आदी एक पिता ने अपनी पत्नी से झगड़े के बाद अपने 3 वर्षीय मासूम बेटे को घर की छत से नीचे फेंक दिया, जिससे उसकी दर्दनाक मौत हो गई।

गांव चिटौआ निवासी राजबहादुर पुत्र बेचेलाल शराब पीने का आदी है। बताया जा रहा है कि तीन दिन पहले वह अपनी पत्नी को उसके मायके से बुलाकर लाया था। बृहस्पतिवार दोपहर करीब 2 बजे पति-पत्नी के बीच झगड़ा शुरू हुआ। झगड़े के दौरान राजबहादुर अपनी पत्नी और 3 वर्षीय बेटे ललित के साथ घर की छत पर था। झगड़ा बढ़ने पर राजबहादुर ने अपने बेटे ललित को छत से नीचे फेंक दिया।

बच्चे के छत से गिरने के बाद परिवार में अफरा तफरी मच गई। आनन-फानन में परिजन मासूम ललित को लेकर जिला अस्पताल पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इस घटना से पूरे गांव में शोक और आक्रोश का माहौल है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

करंट की चपेट में आने से संविदा कर्मी झुलसा

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। गोसाईगंज क्षेत्र के जलौदी नगर गांव में ट्रांसफार्मर के जले हुए फेश को सही करने के लिए खंभे पर चढ़ा सविंदा कर्मी करेंट की चपेट में आने से झुलसकर खम्भे से गिर गया।गंभीर रूप से घायल हुए संविदा कर्मी को इलाज के लिए सीएचसी गोसाईगंज भेजा गया था जहां से डॉक्टरों ने उसे इलाज के लिए सिविल अस्पताल भेज दिया।

गोसाईगंज के कोड़रा गांव के रहने वाले जितेंद्र कुमार यादव विद्युत उपकेंद्र अमेठी पर संविदा कर्मी है जिसकी ड्यूटी गंगागंज फीडर पर चल रही थी।गुरुवार की सुबह करीब नौ बजे से जलौदी नगर में आधे में गांव में बिजली सप्लाई नहीं आ रही थी।जिसकी शिकायत पर वह ट्रांसफार्मर के जले हुए फेश को सही करने गया था।उसने उपकेंद्र पर मौजूद सब स्टेशन अपरेटर संदीप यादव को शट डाउन के लिए फ़ोन किया।इसके बाद जितेंद्र खंभे पर चढ़ कर फेश सही करने लगा था।इसी बीच अचानक सप्लाई चालू हो गई।जिससे करेंट की चपेट में आने से उसका हाथ झुलस गया और वह खंभे से नीचे गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया।यह देख ग्रामीण उसे इलाज के लिए गोसाईगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए।जहाँ से डॉक्टरों ने उसे सिविल अस्पताल के लिए रेफर कर दिया।लेकिन परिजनों ने उसे इलाज के लिए एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया है।इस सम्बंध में अधिशाषी अभियंता मोहनलालगंज श्रवण कुमार सिंह ने बताया कि जितेंद्र द्वारा शट डाउन देने के लिए फोन किया गया था लेकिन उपकेंद्र पर तैनात एसएसओ संदीप कुमार द्वारा शट डाउन दिया गया था कि नही और जितेंद्र को कैसे करेंट लगा और वह खम्भे से गिर गया इसकी जांच कराई जाएगी

दो बेटों संग महिला ने गोमती में लगाई छलांग, छोटे बेटे का शव मिला

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

बाराबंकी। पारिवारिक कलह के चलते एक महिला ने अपने दो बेटों संग गोमती नदी में औसानेश्वर घाट पुल से छलांग लगा दी। इनमें छोटे बेटे का शव नैपुराघाट पुल के पास गोताखोरों ने नदी से बरामद किया। महिला व उसके एक बेटे के शव की तलाश की जा रही है।

जानकारी के अनुसार कोठी थाना क्षेत्र के बिबियापुर गांव के पूर्व प्रधान मंशाराम की पुत्री मिथिलेश कुमारी (28) की शादी 2017 में सधाई भगतपुरवा निवासी मनोज यादव से हुई थी। 2021 में पति की मौत के बाद 2025 में मिथिलेश कुमारी का विवाह देवर भोला उर्फ हुकुम सिंह से हुआ था। बुधवार को परिवार में किसी बात को लेकर इतना ज्यादा विवाद हो गया कि मिथिलेश कुमारी ने अपने दोनों बच्चों के साथ जिंदगी समाप्त करने की ठान ली। वह बच्चों को लेकर घर से निकली और देर शाम नदी में छलांग लगा दी। घटना की सूचना पर गुरुवार सुबह कोठी पुलिस व गोताखोर मौके पर पहुंचे और तलाश शुरू की लेकिन औसानेश्वर घाट पर कोई सुराग नहीं मिला। नैपुराघाट के पास शव उतराता दिखा तो गोताखोर उसे निकालकर बाहर लाए। एसएचओ कोठी जेपी सिंह ने बताया कि महिला व उसके दूसरे बच्चे की तलाश नदी में की जा रही है।

कलम को बनाया हथियार, अंग्रेज अफसरों को पेड़ से उल्टा लटकाया... अमर सपूत रामचंद्र तिवारी की कहानी

आर्यावर्त संवाददाता

अमेठी। जंगे आजादी में उत्तर प्रदेश के सेनानियों का अभूतपूर्व योगदान रहा है। जंगे आजादी के सेनानिनियों में ही पंडित रामचंद्र तिवारी का नाम भी शामिल है। रामचन्द्र तिवारी का जन्म यूपी के रायबरेली (अब अमेठी) जनपद के तिलोई तहसील से खनईपुर गांव में साल 1910 में पंडित भगवान दत्त तिवारी के यहां हुआ। उनका बचपन बेहद सादगी और संघर्ष में बीता। जन्म से विद्रोही तेवर के रहे पंडित रामचंद्र तिवारी ने होश संभालते ही अंग्रेजों की हुकूमत के खिलाफ मोर्चा खोल दिया था।

पढ़ाई में कुशाग्र होने के नाते उन्होंने कलम से इस लड़ाई को लड़ने का संकल्प किया। अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ उन्होंने ऐसी जंग लड़ी और मैदान में उतरकर अपनी बहादुरी के ऐसे किस्से लिखे, जो आज भी प्रेरणा

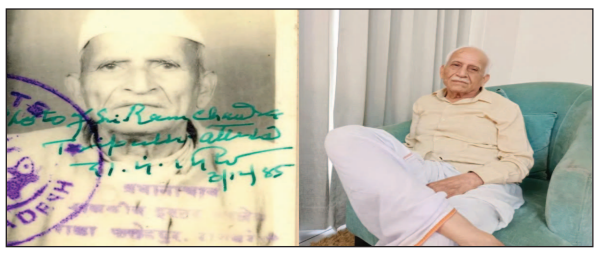

देते हैं। पहले प्रोफेसर और फिर पत्रकार रहे रामचंद्र तिवारी ने निडर होकर अंग्रेजी साम्राज्य की जड़ें हिला दीं। उनके साहस, संघर्ष और बलिदान की गाथा स्वतंत्रता संग्राम के स्वर्णिम पन्नों में दर्ज है।

देश के प्रति थी गहरी निष्ठा

गांव की गलियों से लेकर पाठशाला तक, उनका व्यक्तित्व तेजस्वी और विद्रोही स्वभाव का था। शिक्षा के साथ-साथ उनमें अपने देश के प्रति गहरी निष्ठा थी। यही कारण रहा कि जब स्थानीय स्तर पर अंग्रेजों के जुल्म और सितम बढ़े तो उन्होंने बगावती तेवरों के साथ आने वाली नस्लों में स्वराज्य की भावना की अलख जगाने का फैसला लिया। इसके लिए उन्होंने यूपी से लाहौर तक का सफर तय किया।

लाहौर में वो साल 1930 से 1942 तक वो लाहौर में रहे। इस दौरान वो लाहौर के 'नव दुर्गा डिग्री कॉलेज' में हिंदी के प्रोफेसर रहे। उन्होंने ग्रेजुएशन के स्टूडेंट्स को पढ़ाया। विशेष तौर पर वो हिंदी के शोध छात्रों को पढ़ाते थे। इस दौरान महात्मा गांधी के नेतृत्व में अंग्रेजों के खिलाफ आहवाहन हुआ। पूरे देश में स्वतंत्रता की ज्वाला भड़क उठी। पंडित रामचंद्र तिवारी ने इस आंदोलन को गांव-गांव में पहुंचाने का बीड़ा उठाया।

लाहौर से घर वापसी करने में सफल रहे

इसी दौरान उन्होंने साहसिक कदम उठाते हुए लाहौर कोतवाली में अंग्रेजों के खिलाफ पर्चा चस्पा कर दिया। यह कदम अंग्रेजी प्रशासन के लिए खुली चुनौती था, लेकिन न उनके इरादे डिगे, न ही आजादी के प्रति उनकी आस्था कमजोर हुई। इस दौरान पुलिस उनकी तलाश में छापेमारी कर रही थी और दबिश दे रही थी पर वो लाहौर से घर वापसी करने में सफल रहे।

लौटने के बाद कलम को बनाया हथियार

लाहौर से लौटने के बाद प्रोफेसर रामचंद्र तिवारी ने पत्रकारिता को अपना पेशा चुना। उन्नाव और रायबरेली दोनों जनपद में उन्होंने अपना प्रेस खोला। यहां आदर्श और किसान प्रेस के नाम से उन्होंने लोगों में देशभक्ति की अलख जगाना शुरू किया। पत्रकारिता उनके लिए सिर्फ रोजगार का साधन नहीं थी, बल्कि एक मिशन थी। वो अंग्रेजी हुकूमत की नीतियों और अत्याचारों के खिलाफ पर्चे और समाचार प्रकाशित करते थे।

उस समय अंग्रेजों के खिलाफ लिखना और सच उजागर करना मौत को दावत देने जैसा था। वो गुप्त रूप से पर्चे छापते और ग्रामीण क्षेत्रों में बांटते , ताकि लोग ब्रिटिश साम्राज्य की असलियत जान सकें। उनके शब्दों में आग होती थी और उनकी कलम अंग्रेजों के खिलाफ युद्ध का बिगुल बजाती थी।

अंग्रेज अधिकारियों को पेड़ पर उल्टा लटकाया

रायबरेली के स्वतंत्रता संग्राम सेनानी संगठन के जिला अध्यक्ष रहे पंडित मदन मोहन मिश्रा के संस्मरण के अनुसार, पंडित तिवारी की बहादुरी का एक किस्सा आज भी लोगों की जुबान पर है। एक बार उन्होंने योजना बनाकर तीन क्रूर अंग्रेज अधिकारियों को पकड़ लिया। फिर उन्हें गांव के बाहर एक बड़े पेड़ पर उल्टा लटका दिया। यह घटना अंग्रेजी प्रशासन के लिए गहरा संदेश थी कि भारतीय अब डरने वाले नहीं हैं।

इस साहसिक कार्य के चलते अंग्रेजों ने उन्हें पकड़कर कठोर कारावास की सजा सुनाई। जेल में भी उन्होंने अपने साथियों का मनोबल ऊंचा रखा और संघर्ष का संदेश फैलाया। जेल में प्रोफेसर तिवारी को रोजाना शारीरिक और मानसिक यातनाएं दी जाती थीं। भोजन की कमी, गंदा पानी, ठंड में नंगे बदन रहना ये सब ब्रिटिश जेल की आम बातें थीं, लेकिन इन यातनाओं के बावजूद उन्होंने अपने विचारों और आत्मबल को अडिग रखा।

पंडित तिवारी की पुरानी तस्वीरें, दस्तावेज और पर्चे सुरक्षित

वो अक्सर अपने साथियों को आजादी की कविताएं सुनाते और प्रेरणादायक किस्से बताते। स्वतंत्रता सेनानी प्रोफेसर रामचंद्र तिवारी के बेटे पंडित केदारनाथ तिवारी अब लखनऊ में रहते हैं। वो अपने पिता की स्मृतियों और संघर्ष के किस्सों को संजोकर रखते हैं। उनके घर में आज भी पंडित तिवारी की पुरानी तस्वीरें, दस्तावेज और पर्चे सुरक्षित हैं।

स्वतंत्रता के बाद ऐसा रहा जीवन

उन्होंने बताया कि देश की आजादी के बाद प्रोफेसर तिवारी अपने गांव लौट आए। उन्होंने राजनीति में भी सक्रिय भूमिका निभाई, लेकिन सत्ता की लालसा कभी उनके दिल में नहीं आई। उनका जीवन सादगी और सेवा को समर्पित रहा। वो गांव में युवाओं को शिक्षा और देशभक्ति का संदेश देते रहे। स्वतंत्रता संग्राम की कहानियां सुनाकर वो आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करते थे।

विधायकों के वेतन में हुई 67 हजार रुपये की बढ़ोत्तरी, मंत्रियों को होगा इतना फायदा, बढ़ाई गई पेंशन भी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। विधानसभा और विधान परिषद सदस्यों और मंत्रियों के वेतन और भत्ते बढ़ा दिए गए हैं। इस बढोतरी के बाद विधायकों को सीधे तौर पर हर माह 67750 रुपये और मंत्रियों को 77750 रुपये का फायदा होगा। इसके अलावा कुछ अन्य भत्ते भी रहेंगे। मानसून सत्र के अंतिम दिन बृहस्पतिवार को संसदीय कार्यमंत्री सुरेश खन्ना ने उत्तर प्रदेश राज्य विधान मंडल सदस्य एवं मंत्री सुख- सुविधा विधि (संशोधन) विधेयक 2025 पेश किय, जिसे सर्व सम्मति से पास कर दिया गया।

विधेयक रखते हुए संसदीय कार्य मंत्री ने बताया कि करीब नौ साल पहले अगस्त 2016 में वेतन एवं भत्ते बढ़े थे। सभी दलों की मांग पर कमेटी बनाई गई। कमेटी की संस्तुति के आधार पर बढोतरी की गई है। यह बढोतरी एक अप्रैल 2025 से प्रारंभ होकर प्रत्येक पांच वर्ष के बाद आयकर अधिनियम 1961 (अधिनियम संख्या 43 सन 1961) की धारा 48 के तहत उपबंधित लागत मुद्रा स्फीति सूचक के आधार पर वृद्धि की जाएगी। इसके तहत मंत्रियों के वेतन 40 के स्थान पर 50 हजार कर दिया गया है, जबकि विधायकों का 25 की जगह 35 हजार रुपये प्रति माह किया गया है।

यात्राओं के लिए ले सकेंगे एडवांस

संसदीय कार्यमंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि विधान परिषद के पूर्व सदस्य को 6 वर्ष पूर्ण करने पर 2 हजार प्रतिमाह का अतिरिक्त पेंशन दी जाएगी। प्रथम वर्ष के पश्चात प्रतिवर्ष 2 हजार बढ़ते रहेंगे। अगर किसी का कार्यकाल 6 माह या उससे ज्यादा है तो उसे एक पूरा वर्ष माना जाएगा। वहीं पूर्व विधायकों के लिए रेलवे कूपन प्रतिवर्ष 1 लाख रुपये मिलता था। इसे बढ़ाकर डेढ़ लाख रुपये कर दिया गया है। इसमें रेल और हवाई जहाज के लिए 50 हजार रुपये और निजी वाहन के पेट्रोल- डीजल के लिए एक लाख रुपये नगद ले सकते हैं। अगर बाद में ये बच जाते हैं तो ये भी परिवर्तनीय हैं। इससे सरकार पर कुल मिलाकर 105 करोड़ 63 लाख रुपये की वार्षिक बोझ आएगा।

हर विधायक को प्रति माह मिलने वाला वेतन भत्ता

वेतन	35 हजार
निर्वाचन क्षेत्र भत्ता	75 हजार
जनसेवा दैनिक भत्ता	2 हजार
सचिव भत्ता	30 हजार
चिकित्सीय भत्ता	45 हजार
दैनिक सत्र भत्ता	2.5 हजार
टेलीफोन भत्ता	9 हजार

उत्तर प्रदेश में पिछड़ा वर्ग और दिव्यांगजन सशक्तिकरण के लिए ठोस योजनाएं, शादी अनुदान, छात्रावास और प्रशिक्षण पर जोर

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा के मानसून सत्र 2025 में पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तीकरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नरेंद्र कश्यप ने दोनों विभागों की उपलब्धियों और 2047 तक की योजनाओं पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश को विकसित राज्य बनाने के लिए स्पष्ट रणनीति और ठोस कार्ययोजना बनाई गई है।मंत्री कश्यप ने बताया कि दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग ने पिछले आठ वर्षों में पुनर्वासन, पेंशन, शिक्षा, कौशल विकास और रोजगार के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किए हैं। जून 2025 तक 11,32,240 दिव्यांगजनों को भरण-पोषण अनुदान (पेंशन) का लाभ मिला, जिसे 300 रुपये से बढ़ाकर 1,000 रुपये प्रतिमाह किया गया। इसी अवधि में विभाग ने 8,841 करोड़ रुपये व्यय किए, जो पूर्ववर्ती सरकार के 1,581 करोड़ रुपये की तुलना में लगभग पांच गुना अधिक है। कुष्ठावस्था पेंशन योजना में लाभार्थियों की संख्या 4,765 से बढ़कर 12,692 हो गई और राशि 3,000 रुपये प्रतिमाह कर दी गई।कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण योजना के तहत 327.5 करोड़ रुपये खर्च कर दिव्यांगजनों को आधुनिक उपकरण उपलब्ध कराए गए, जबकि पूर्ववर्ती सरकार ने पांच वर्षों में मात्र 29.4 करोड़ रुपये खर्च किए थे। प्रति लाभार्थी अनुदान सीमा 6,000 रुपये से बढ़ाकर 15,000 रुपये कर दी गई। शिक्षा के क्षेत्र में 25 बचपन डे केयर सेंटर, 28 समेकित विशेष विद्यालय और 2 राज्य दिव्यांग विश्वविद्यालय स्थापित किए गए। शिक्षा के लिए वार्षिक बजट 53 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 118 करोड़ रुपये किया गया।पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के संबंध में मंत्री कश्यप ने बताया कि ओबीसी वर्ग की संख्या प्रदेश में 52 प्रतिशत से अधिक है। वर्ष 2024-25 में विभाग ने 32,22,499 छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति और शुल्क प्रतिपूर्ति दी। पिछले आठ वर्षों में कुल 2,07,53,457 छात्रों को 13,535.33 करोड़ रुपये का लाभ मिला, जो पूर्ववर्ती सरकार की तुलना में 4,197 करोड़ रुपये अधिक है। 2047 तक विभाग का लक्ष्य 7 करोड़ से अधिक ओबीसी छात्रों को 80,000 करोड़ रुपये की छात्रवृत्ति और शुल्क प्रतिपूर्ति देना है।शादी अनुदान योजना के तहत पिछले आठ वर्षों में 1,221 करोड़ रुपये खर्च कर 6,10,483 गरीब ओबीसी परिवारों की बेटियों की शादी कराई गई, जबकि पूर्ववर्ती सरकार में यह संख्या 2,75,311 थी और व्यय 344 करोड़ रुपये रहा।

हस्तिनापुर–परीक्षितगढ़ के ऋषि आश्रम बनेंगे आस्था और पर्यटन के नए केंद्र, 'महाभारत सर्किट' से जुड़े जिलों को मिलेगा लाभ

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने महाभारत काल से जुड़े ऐतिहासिक और पौराणिक स्थलों को वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर स्थापित करने के उद्देश्य से महत्वपूर्ण पहल की है। मुख्यमंत्री पर्यटन विकास योजना के तहत पर्यटन विभाग ने मेरठ जनपद में 'महाभारत सर्किट' परियोजना के लिए कुल 03 करोड़ रुपए की धनराशि स्वीकृत की है। इस राशि से हस्तिनापुर और परीक्षितगढ़ स्थित श्रृंगी ऋषि आश्रम का समेकित विकास किया जाएगा।ऊत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि हस्तिनापुर के विकास के लिए 01 करोड़ रुपए और परीक्षितगढ़ स्थित श्रृंगी ऋषि आश्रम के पर्यटन विकास के लिए 02 करोड़ रुपए की राशि प्रदान की गई है। उन्होंने कहा कि पर्यटन विभाग धार्मिक क्षेत्रों में पर्यटक विकास को प्राथमिकता दे रहा है, ताकि प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और धार्मिक धरोहरों को नई पहचान मिल सके।मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा बनाई जा रही योजनाओं में स्थानीय सुविधाओं का सुदृढ़ीकरण, सड़कों का विकास, आकर्षक और जानकारीपूर्ण सूचना पट्टों की स्थापना, पर्यटक सूचना केंद्रों का निर्माण, आधुनिक सुविधाओं से युक्त विश्राम स्थल और नियमित सांस्कृतिक आयोजनों की व्यवस्था शामिल है।उन्होंने कहा कि 'महाभारत सर्किट' प्रदेश की गौरवशाली महाभारतकालीन विरासत को जीवंत रूप देने के साथ-साथ हस्तिनापुर, परीक्षितगढ़ और आसपास के पौराणिक स्थलों को आधुनिक पर्यटन सुविधाओं से जोड़कर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बनाएगी। इस परियोजना से स्थानीय युवाओं और कारीगरों को रोजगार के नए अवसर मिलेंगे और अर्थव्यवस्था को सीधा लाभ पहुंचेगा।प्रमुख सचिव पर्यटन एवं संस्कृति मुकेश कुमार मेश्राम ने कहा कि महाभारत सर्किट उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक और धार्मिक धरोहरों को नई पहचान देने का महत्वपूर्ण प्रयास है। हस्तिनापुर और परीक्षितगढ़ में अवसंरचना सुधार, बेहतर सुविधाएं, स्वच्छता, डिजिटल सूचना और पर्यटक सुविधाओं के विकास के माध्यम से ये स्थल श्रद्धालुओं और पर्यटकों के प्रमुख गंतव्य के रूप में स्थापित होंगे।

कांग्रेस नेताओं ने स्वतंत्रता दिवस पर प्रदेशवासियों को दी शुभकामनाएँ

लखनऊ। सांसद एवं उप नेता राज्य सभा, प्रमोद तिवारी और कांग्रेस विधान मण्डल दल की नेता आराधना मिश्रा मोना ने स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने कहा कि यह दिवस हमें उन अमर शहीदों और स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की याद दिलाता है जिन्होंने देश की आज़ादी के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया।नेताओं ने कहा कि भारत माता की स्वतंत्रता के लिए अनेक साहसी सपूतों ने अपने प्राणों की आहुति दी और स्वतंत्रता सेनानियों को जेल की यातनाएँ सहनी पड़ीं। इस अवसर पर देशवासियों को आपसी भाईचारा, कौमी एकता और देश की अखंडता बनाए रखने के लिए दृढ़ संकल्पित होने की आवश्यकता है।प्रमोद तिवारी और आराधना मिश्रा मोना ने अमर शहीदों और स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए प्रदेशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएँ दीं।

हस्तिनापुर–परीक्षितगढ़ के ऋषि आश्रम होंगे आस्था और पर्यटन के प्रमुख केंद्र, 'महाभारत सर्किट' से जिलों को आर्थिक लाभ

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने महाभारत काल से जुड़े प्राचीन और पौराणिक स्थलों को वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर स्थापित करने की दिशा में एक महत्वाकांक्षी कदम उठाया है। मुख्यमंत्री पर्यटन विकास योजना के तहत पर्यटन विभाग ने मेरठ जनपद में 'महाभारत सर्किट' परियोजना के लिए कुल 03 करोड़ रुपए की स्वीकृत राशि जारी की है। इस राशि से हस्तिनापुर और परीक्षितगढ़ स्थित श्रृंगी ऋषि आश्रम का समग्र विकास किया जाएगा।उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि हस्तिनापुर के विकास के लिए 01 करोड़ और परीक्षितगढ़ स्थित श्रृंगी ऋषि आश्रम के पर्यटन विकास के लिए 02 करोड़ रुपए की धनराशि स्वीकृत की गई है। उन्होंने कहा कि पर्यटन विभाग धार्मिक स्थलों में पर्यटक विकास को प्राथमिकता दे रहा है, ताकि प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और धार्मिक धरोहरों को नई पहचान मिल सके।मंत्री जयवीर सिंह ने आगे बताया कि राज्य सरकार की योजनाओं में स्थानीय सुविधाओं का सुदृढ़ीकरण, सड़क और यातायात सुविधाओं का विकास, आकर्षक एवं जानकारीपूर्ण सूचना पट्टों की स्थापना, पर्यटक सूचना केंद्रों का निर्माण, आधुनिक सुविधाओं से युक्त विश्राम स्थलों का निर्माण और नियमित सांस्कृतिक आयोजनों की व्यवस्था शामिल है।उन्होंने कहा कि 'महाभारत सर्किट' प्रदेश की गौरवशाली महाभारतकालीन विरासत को जीवंत रूप देने के साथ ही हस्तिनापुर, परीक्षितगढ़ और आसपास के पौराणिक स्थलों को आधुनिक पर्यटन सुविधाओं से जोड़कर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बनाएगी। इस परियोजना से स्थानीय युवाओं और कारीगरों को रोजगार के नए अवसर प्राप्त होंगे और क्षेत्र की अर्थव्यवस्था को भी सीधा लाभ मिलेगा।प्रमुख सचिव पर्यटन एवं संस्कृति मुकेश कुमार मेश्राम ने कहा कि महाभारत सर्किट उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक और धार्मिक धरोहरों को नई पहचान देने का महत्वपूर्ण प्रयास है। हस्तिनापुर और परीक्षितगढ़ में अवसंरचना सुधार, बेहतर सुविधाएं, स्वच्छता, डिजिटल सूचना एवं पर्यटक सुविधाओं के विकास के माध्यम से ये स्थल श्रद्धालुओं और पर्यटकों के प्रमुख गंतव्य के रूप में स्थापित होंगे।इस पहल से न केवल पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि स्थानीय व्यवसाय, हस्तशिल्प और रोजगार के अवसरों में भी वृद्धि होगी, जिससे प्रदेश की समग्र आर्थिक और सांस्कृतिक मजबूती सुनिश्चित होगी।

उत्तर प्रदेश युवाओं को कौशलयुक्त बनाकर देश का अग्रणी राज्य बनाने की महत्वाकांक्षी योजना

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा के मानसून सत्र 2025 में व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने प्रदेश में कौशल विकास की उपलब्धियों और 2047 तक की योजनाओं का विस्तृत विवरण पेश किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश की 25 करोड़ की आबादी में 62 प्रतिशत उत्पादक आयु वर्ग है, जिसे कौशलयुक्त बनाकर उत्तर प्रदेश को देश का अग्रणी कौशल राज्य बनाने का लक्ष्य रखा गया है।मंत्री अग्रवाल ने बताया कि राज्य के 324 आईटीआई के माध्यम से प्रतिवर्ष 1.84 लाख युवाओं को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। अब तक 2.81 लाख से अधिक युवाओं को अप्रेन्टिसशिप योजना के तहत विभिन्न उद्योगों में रोजगार मिला है। इन संस्थानों में 151 आईटी लैब, 144 स्मार्ट क्लासरूम और टाटा टेक्नोलॉजीज लिमिटेड के सहयोग से 149 आईटीआई तथा एक प्रादेशिक प्रशिक्षण केंद्र में रोबोटिक्स, इलेक्ट्रिक व्हीकल और 3-डी प्रिंटिंग जैसे 11 नए युग के कोर्स प्रारंभ किए गए हैं।

गो संवर्द्धन, प्राकृतिक खेती, पंचगव्य उत्पाद और बायोगैस के प्रसार के लिए यूपी गो सेवा आयोग एवं पतंजलि योगपीठ की संयुक्त पहल

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश गो सेवा आयोग के अध्यक्ष श्याम बिहारी गुप्त ने हरिद्वार स्थित पतंजलि योगपीठ में योग गुरु बाबा रामदेव और पतंजलि के महामंत्री आचार्य बालकृष्ण से महत्वपूर्ण बैठक की। बैठक में गो संरक्षण एवं संवर्द्धन, गो अभयारण्य, प्राकृतिक खेती, पंचगव्य आधारित उत्पाद, गोनाइल तथा बायोगैस के क्षेत्र में नवाचार और विस्तार पर गहन चर्चा हुई।दोनों पक्षों ने सहमति जताई कि प्रदेश की गौशालाओं को आत्मनिर्भर बनाने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त करने के लिए पंचगव्य आधारित उत्पाद, बायोगैस संयंत्र और जैविक उर्वरक के उत्पादन को बढ़ावा दिया जाएगा। इसके तहत संयुक्त कार्ययोजना तैयार की जाएगी, जिसमें प्रदेश के विभिन्न जिलों की गौशालाओं को तकनीकी और प्रबंधकीय सहायता दी जाएगी। साथ ही प्राकृतिक खेती के मॉडल को गांव-गांव तक पहुंचाने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, और बायोगैस संयंत्रों के माध्यम से ऊर्जा उत्पादन तथा गोबर से बने जैव उर्वरकों का उपयोग सुनिश्चित किया जाएगा।इस साझेदारी से न केवल गौ-आधारित ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई ऊँचाइयों तक ले जाने की संभावना है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण, मिट्टी की उर्वरता और किसानों की आय वृद्धि में भी महत्वपूर्ण योगदान मिलेगा।बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि बाबा रामदेव शीघ्र ही उत्तर प्रदेश आएंगे और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात करके विस्तृत रोडमैप तैयार करेंगे, ताकि कार्ययोजना का क्रियान्वयन प्रारंभ किया जा सके। इस अवसर पर पतंजलि योगपीठ के वरिष्ठ पदाधिकारी भी उपस्थित रहे और संयुक्त रूप से विश्वास व्यक्त किया कि यह पहल देश के लिए एक आदर्श मॉडल सिद्ध होगी।

उत्तर प्रदेश में युवाओं को कौशलयुक्त बनाकर देश का अग्रणी राज्य बनाने की महत्वाकांक्षी योजना

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा के मानसून सत्र 2025 में व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने प्रदेश में कौशल विकास की उपलब्धियों और 2047 तक के भविष्य की योजनाओं का विस्तृत खाका प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश की 25 करोड़ की आबादी में 62 प्रतिशत उत्पादक आयु वर्ग है, जिसे कौशलयुक्त बनाकर उत्तर प्रदेश को देश का अग्रणी कौशल राज्य बनाने का लक्ष्य रखा गया है।मंत्री अग्रवाल ने बताया कि राज्य के 324 आईटीआई के माध्यम से प्रतिवर्ष 1.84 लाख युवाओं को प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। अब तक 2.81 लाख से अधिक युवाओं को अप्रेन्टिसशिप योजना के तहत विभिन्न उद्योगों में रोजगार मिला है। इन संस्थानों में 151 आईटी लैब, 144 स्मार्ट क्लासरूम और टाटा टेक्नोलॉजीज लिमिटेड के सहयोग से 149 आईटीआई तथा एक प्रादेशिक प्रशिक्षण केंद्र में रोबोटिक्स, इलेक्ट्रिक व्हीकल और 3-डी प्रिंटिंग जैसे 11 नए युग के कोर्स प्रारंभ किए गए हैं।

मंत्री ने 2047 तक के रोडमैप में पांच चरण निर्धारित किए हैं:2025-2030: 25 लाख युवाओं को उद्योग आधारित प्रशिक्षण, प्रत्येक मंडल की तहसील में एडवांस स्किल सेंटर, डिजिटल स्किलिंग प्लेटफॉर्म की शुरुआत।2030-2035: 50 लाख युवाओं का प्रशिक्षण, कौशल विश्वविद्यालयों की स्थापना, अंतरराष्ट्रीय सर्टिफिकेशन प्रोग्राम।2035-2040: एआई, डेटा साइंस और ग्रीन जॉब्स में प्रशिक्षण, पांच शहरों को ग्लोबल स्किलिंग हब बनाना।2040-2045: 1.5 करोड़ लोगों को कौशलयुक्त बनाना, उत्तर प्रदेश को स्किल एक्सपोर्ट हब के रूप में स्थापित करना।2045-2047: राज्य को भारत का शीर्ष कौशलयुक्त राज्य बनाना और हर वर्ष 10 लाख युवाओं को वैश्विक रोजगार से जोड़ना।अग्रवाल ने यह भी बताया कि कौशल विकास मिशन के तहत पिछले आठ वर्षों में लगभग 13 लाख युवाओं को निःशुल्क प्रशिक्षण दिया गया, जिसमें 5 लाख से अधिक युवाओं को रोजगार या स्वरोजगार से जोड़ा गया। विशेष परियोजनाओं में कारागार बंदियों, किशोर सुधार गृह के किशोरों, संरक्षण गृह की महिलाओं, दिव्यांगजन और अनुसूचित जाति/जनजाति की महिलाओं को प्रशिक्षण शामिल किया गया।मंत्री ने कहा कि इस योजना के अंतर्गत प्रदेश के आईटीआई और एडवांस स्किल सेंटरों को विश्वस्तरीय बनाकर युवाओं में रोजगार के अवसर बढ़ाए जाएंगे, स्वरोजगार को प्रोत्साहन दिया जाएगा और कौशल आधारित वैश्विक प्रतिस्पर्धा में उत्तर प्रदेश को अग्रणी बनाया जाएगा।

गन्ना विकास एवं चीनी उद्योग मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी ने स्वतंत्रता दिवस पर प्रदेशवासियों को दी शुभकामनाएं

लखनऊ। 14 अगस्त, 2025उत्तर प्रदेश के गन्ना विकास एवं चीनी उद्योग मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। अपने संदेश में मंत्री ने कहा कि 15 अगस्त को देश अपना 79वां स्वतंत्रता दिवस मना रहा है। उन्होंने 'हर घर तिरंगा अभियान' की सराहना करते हुए कहा कि इस अभियान ने राष्ट्रीय पर्व की रौनक को और भी बढ़ा दिया है।श्री चौधरी ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस हमें उन अमर स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की याद दिलाता है जिन्होंने देश की आजादी के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया। उन्होंने सभी से अपील की कि इस पावन अवसर पर देशहित में समर्पण और सेवा का संकल्प लें।मंत्री ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत 2047 के संकल्प

उत्तर प्रदेश युवाओं को कौशलयुक्त बनाकर देश का अग्रणी राज्य बनाने की ओर अग्रसर

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा के मानसून सत्र 2025 में व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने प्रदेश में कौशल विकास की उपलब्धियों और 2047 तक की योजनाओं का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश की 25 करोड़ की आबादी में 62 प्रतिशत उत्पादक आयु वर्ग है, जिसे कौशलयुक्त बनाकर उत्तर प्रदेश को देश का अग्रणी कौशल राज्य बनाने का लक्ष्य रखा गया है।मंत्री अग्रवाल ने बताया कि राज्य के 324 आईटीआई के माध्यम से प्रतिवर्ष 1.84 लाख युवाओं को प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। अब तक 2.81 लाख से अधिक युवाओं को अप्रेन्टिसशिप योजना के तहत विभिन्न उद्योगों में रोजगार मिला है। इन संस्थानों में 151 आईटी लैब, 144 स्मार्ट क्लासरूम और टाटा टेक्नोलॉजीज लिमिटेड के सहयोग से 149 आईटीआई तथा एक प्रादेशिक प्रशिक्षण केंद्र में रोबोटिक्स, इलेक्ट्रिक व्हीकल और 3-डी प्रिंटिंग जैसे 11 नए युग के कोर्स प्रारंभ किए गए हैं।मंत्री ने 2047 तक के रोडमैप में पांच चरण निर्धारित किए हैं:2025-2030: 25 लाख युवाओं को उद्योग आधारित प्रशिक्षण, प्रत्येक मंडल की तहसील में एडवांस स्किल सेंटर, डिजिटल स्किलिंग प्लेटफॉर्म की शुरुआत।2030-2035: 50 लाख युवाओं का प्रशिक्षण, कौशल विश्वविद्यालयों की स्थापना, अंतरराष्ट्रीय सर्टिफिकेशन प्रोग्राम।2035-2040: एआई, डेटा साइंस और ग्रीन जॉब्स में प्रशिक्षण, पांच शहरों को ग्लोबल स्किलिंग हब बनाना।

उत्तर प्रदेश में उच्च शिक्षा में उन्नत तकनीकों का समावेश, प्रदेश को शोध और नवाचार का केंद्र बनाने का लक्ष्य

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत 2047 के संकल्प और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में, उत्तर प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने विधानसभा के मानसून सत्र 2025 में उच्च शिक्षा विभाग की भावी रणनीति पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 2047 तक प्रदेश को उच्च शिक्षा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर, आधुनिक और वैश्विक प्रतिस्पर्धी बनाने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए शिक्षा की पहुंच, गुणवत्ता, रोजगार सृजन, शोध और नवाचार के क्षेत्र में ठोस कदम उठाए जा रहे हैं।मंत्री उपाध्याय ने कहा कि वर्तमान में प्रदेश का सकल नामांकन अनुपात (जीईआर) 20.18 प्रतिशत है, जबकि राष्ट्रीय जीईआर 28 प्रतिशत है। इसे 2047 तक 60 प्रतिशत तक ले जाने और लैंगिक व सामाजिक समानता सुनिश्चित करने की योजना है। उच्च शिक्षा के विस्तार के लिए लक्ष्य रखा गया है कि प्रदेश के प्रत्येक जिले में एक विश्वविद्यालय स्थापित हो और कुल 125 विश्वविद्यालयों का नेटवर्क तैयार किया जाए।गरीब और मेधावी छात्रों को अंतरराष्ट्रीय शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए विदेशी विश्वविद्यालयों को प्रदेश में कैम्पस खोलने हेतु प्रोत्साहित किया जा रहा है। इस दिशा में सिडनी और मोनाश विश्वविद्यालयों के साथ समझौते हो चुके हैं, जबकि जापान और रूस के विश्वविद्यालयों से वार्ता जारी है। इसके अतिरिक्त, 'चिवनिंग-भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी छात्रवृत्ति योजना' के तहत प्रत्येक वर्ष पांच मेधावी छात्रों को यूके में स्नातकोत्तर अध्ययन के लिए भेजा जाएगा।मंत्री ने गुणवत्ता सुधार पर जोर देते हुए बताया कि प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों को नैक रैंकिंग में शामिल कराना, कम से कम 50 प्रतिशत विश्वविद्यालयों को 'ए' ग्रेड से ऊपर और 20 प्रतिशत को देश के शीर्ष 100 में तथा 10 प्रतिशत को विश्व के शीर्ष 500 में स्थान दिलाना लक्ष्य है। 25 संस्थानों को एनआईआरएफ रैंकिंग में, 25 प्रतिशत विश्वविद्यालयों को क्यूएस एशिया रैंकिंग और 10 प्रतिशत को क्यूएस सस्टेनेबिलिटी रैंकिंग में शामिल करना, तथा यूजीसी ग्रेड-1 के विश्वविद्यालयों की संख्या 3 से बढ़ाकर 20 करना योजना का हिस्सा है।रोजगार सृजन में भी प्रगति बताते हुए मंत्री ने कहा कि राजकीय महाविद्यालयों में 840 प्रवक्ता पदों में से 801, एडेड महाविद्यालयों में 2002 और अल्पसंख्यक महाविद्यालयों में 170 पदों पर नियुक्तियां पूरी हो चुकी हैं। नवनिर्मित महाविद्यालयों में 2556 पद सृजित किए गए हैं, जिनमें 120 की भर्ती हो चुकी है और 1252 पदों का अधियाचन लोकसेवा आयोग को भेजा गया है।मंत्री ने बताया कि उच्च शिक्षा को सुदृढ़ बनाने के लिए अब तक 75 अंतर्राष्ट्रीय और लगभग 1300 राष्ट्रीय एमओयू किए जा चुके हैं। पीएम ऊषा योजना के तहत 965 करोड़ रुपये की स्वीकृति प्राप्त हुई है, जो पूरे देश में सर्वाधिक है।आगे आने वाले वर्षों में ओडीओपी को शिक्षा से जोड़ना, स्टार्टअप और नवाचार को प्रोत्साहित करना, उद्योग आधारित लैब और प्रशिक्षणशालाओं की स्थापना, अनुसंधान हेतु डिजिटल ऑब्जेक्ट आइडेंटिफायर का उपयोग, छात्रावास और छात्रवृत्ति सुविधाओं का विस्तार, खेल और भारतीय ज्ञान परंपरा को बढ़ावा देना जैसे कदम उठाए जाएंगे।मंत्री ने कहा कि मशीन लर्निंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और ब्लॉकचेन जैसी उन्नत तकनीकों को शिक्षा में शामिल कर प्रदेश को शोध और नवाचार का वैश्विक केंद्र बनाया जाएगा। इन सभी पहलों और योजनाओं से विकसित भारत 2047 का लक्ष्य निश्चित रूप से पूरा होगा।

अटल आवासीय विद्यालयों में 10वीं बोर्ड परीक्षा की तैयारी को लेकर विशेष बैठक, स्वच्छता अभियान और वृक्षारोपण के भी निर्देश

» बैठक की अध्यक्षता श्रम एवं सेवायोजन मंत्री अनिल राजभर ने की

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश के 18 अटल आवासीय विद्यालयों के 2300 से अधिक छात्र इस वर्ष पहली बार कक्षा 10वीं की बोर्ड परीक्षा में शामिल होंगे। इसे सफल बनाने और 100 प्रतिशत परिणाम सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आज लखनऊ स्थित बापू भवन के द्वितीय तल सभाकक्ष में सभी प्रधानाचार्यों के साथ विशेष तैयारी बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता श्रम एवं सेवायोजन मंत्री अनिल राजभर ने की।

बैठक में अटल आवासीय विद्यालयों की शैक्षणिक तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की गई और उत्कृष्ट परिणाम लाने के लिए ठोस रणनीतियां तय की गईं। महानिदेशक, अटल आवासीय विद्यालय पूजा यादव ने विद्यालयों के शैक्षणिक क्रियाकलापों का प्रस्तुतीकरण किया। प्रमुख सचिव श्रम एवं सेवायोजन डॉ. एम.के. शन्मुगा सुन्दरम और विशेष सचिव कुणाल सिल्कू ने शैक्षणिक प्रदर्शन की समीक्षा कर सुधार के सुझाव दिए। जुलाई में आयोजित मॉक टेस्ट-2 में मेरठ विद्यालय ने 98 प्रतिशत पास प्रतिशत के साथ सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया।

विद्यालय की प्रधानाचार्य अमर कौर ने अतिरिक्त रेमेडियल कक्षाओं और पीयर लर्निंग ग्रुप की रणनीति साझा की। प्रमुख सचिव ने निर्देश दिए कि पिछले 5 वर्षों के सीबीएसई प्रश्नपत्र हल कराए जाएं, कमजोर छात्रों के लिए नियमित रेमेडियल क्लासेस आयोजित हों और प्रत्येक शिक्षक छोटे समूह का मेंटॉर बनाकर विषय-विशेष मार्गदर्शन दें।बैठक में यह तय किया गया कि दिसंबर से रिवीजन टेस्ट और महीने में दो बार ऑब्जेक्टिव टेस्ट आयोजित किए जाएं, प्रत्येक विद्यालय से 4-5 छात्रों को राज्य या सीबीएसई टॉपर सूची में लाया जाए और छात्रों की हैंडराइटिंग सुधार पर विशेष ध्यान दिया जाए। विशेष सचिव ने सुझाव दिया कि प्रत्येक विद्यालय के प्रदर्शन अंतर का विश्लेषण कर कंसेप्चुअल लर्निंग और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर ध्यान केंद्रित किया जाए तथा औसत और कमजोर छात्रों के लिए माइक्रो प्लानिंग अपनाई जाए। अपने संबोधन में श्रम एवं सेवायोजन मंत्री अनिल राजभर ने कहा कि अटल आवासीय विद्यालय श्रमिक वर्ग के बच्चों के जीवन में शिक्षा का नया प्रकाश ला रहे हैं।

इनका उद्देश्य केवल परीक्षा परिणाम नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के आत्मविश्वास, व्यक्तित्व विकास और भविष्य की सफलता की मजबूत नींव रखना है।बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि मॉक टेस्ट, रिवीजन टेस्ट और प्री-बोर्ड के माध्यम से तैयारी की सतत निगरानी होगी, विषयवार टॉपर सूची बनाई जाएगी, उत्तर पुस्तिका की प्रस्तुति में सुधार होगा, समय प्रबंधन और परीक्षा तकनीक पर कार्यशालाएं आयोजित की जाएंगी और शिक्षक-छात्र मेंटरशिप कार्यक्रम लागू किया जाएगा।

मंत्री अनिल राजभर ने 15 अगस्त के अवसर पर स्वच्छता अभियान, वृक्षारोपण और अभिभावक सहभागिता कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश भी दिए, ताकि विद्यालय और घर के बीच तालमेल बढ़े और विद्यार्थियों का आत्मविश्वास सशक्त हो। बैठक का समापन इस संकल्प के साथ हुआ कि "कोई भी बच्चा पीछे नहीं रह जाएगा" और सभी प्रधानाचार्यों ने एकजुट होकर 100 प्रतिशत परिणाम देने का वादा किया।बैठक में अपर सचिव महेश पाण्डेय, वित्त नियंत्रक शैलेन्द्र प्रताप सिंह, वित्त एवं लेखाधिकारी माधवेन्द्र प्रताप सिंह, उप सचिव नीकी नैनसी, बोर्ड के अधिकारी और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

सड़क के कुत्तों को डॉग शेल्टर होम में रखने के सुप्रीम आदेश के व्यवहारिक मायने दिलचस्प

माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने गत सोमवार को दिल्ली-एनसीआर के इलाकों से सड़क के कुत्तों को पकड़ने और उन्हें डॉग शेल्टर में रखने का निर्देश दिया है, उसके व्यवहारिक मायने दिलचस्प हैं, जबकि कतिपय नेताओं व पशु प्रेमियों ने इस सुप्रीम आदेश की सड़क छाप मुखालफत शुरू कर दी है। देखा जाए तो यह प्रेम या घृणा का मामला नहीं है, बल्कि वह सामाजिक न्यायिक पहल है जिससे सबका लोकतंत्र सुनिश्चित होता है। खासकर उन बच्चों-बुजुर्गों का जिन्हें इनसे सर्वाधिक खतरा रहता है। इसी भय से कई बार वे अकेले पार्क या पड़ोस में जाने से घबराते हैं।दरअसल, कोर्ट ने ऐसा आदेश कुत्तों के काटने और रेबीज के खतरे के बढ़ने के मद्देनजर स्वतः संज्ञान लेते हुए उक्त आदेश दिया है। इसलिए वह आलोचना नहीं बल्कि बधाई का पात्र हैं। इससे मीडिया रिपोर्ट्स की गंभीरता और प्रासंगिकता भी परिपुष्ट हुई है। मेरी व्यक्तिगत राय है कि इसका दायरा बढ़ाकर इसमें बंदरों और उन जानलेवा आवारा जानवरों को भी इसमें शामिल किया जाना चाहिए।

सच कहूं तो सभ्य समाज के लिए खतरा बनते जा रहे स्ट्रीट क्रिमिनल्स और स्ट्रीट बायस्ड पॉलिटिकल एक्टिविस्ट, जिनकी लोकल थानों व पुलिस चौकियों से सांठगांठ होती है, यदि इन जैसों के खिलाफ भी ऐसा ही सुप्रीम आदेश निर्गत हो जाए तो सभ्य समाज का भला हो जाएगा। क्योंकि कोई भी लोकतंत्र उन असभ्य लोगों को आजादी का अधिकार नहीं दे सकता, जो कि समाज के अन्य वर्गों के लिए खतरा बनते जा रहे हों। संभव है कि भविष्य में न्यायालय इन विडंबना भरे सामाजिक स्थितियों पर भी गौर करेगा और बेलगाम राजनीतिक व प्रशासनिक हुक्मरानों को समाज के प्रति उसी तरह से संवेदनशील बनाएगा, जैसा कि उसके ताजा निर्णयों से महसूस किया जाता है। बताते चलें कि अपने आदेश में कोर्ट ने साफ कहा है कि सरकार, एमसीडी और एनडीएमसी को अगले 6-8 हफ्तों में शेल्टर रूम की शुरुआत करनी होगी, क्योंकि यहां स्थिति बेहद गंभीर है। लिहाजा, कुत्तों के काटने की समस्या से निपटने के लिए प्रशासन को तुरंत एहतियाती कदम उठाने की जरूरत है। लगे हाथ कोर्ट ने पशु प्रेमियों को यह दो टूक चेतावनी भी दे दी है कि अगर कोई व्यक्ति या संगठन इन आवारा कुत्तों को पकड़ने में बाधा डालेगा, तो उसके खिलाफ भी सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

वाकई, कोर्ट ने साफ-साफ कहा है कि किसी भी कीमत पर शिशु और छोटे बच्चे रेबीज के शिकार नहीं होने चाहिए। उल्लेखनीय है कि जस्टिस जे.बी. पारदीवाला और जस्टिस आर. महादेवन की बेंच ने स्पष्ट कहा है कि इस कार्रवाई से लोगों में यह भरोसा पैदा होना चाहिए कि वे बिना डर के स्वतंत्र रूप से घूम सकें, बिना इस भय के कि कोई सड़क का कुत्ता उन्हें काट लेगा। इस प्रकार देखा जाए तो कोर्ट के फैसले की कुछ अन्य अहम बातें इस प्रकार हैं- पहला, कोर्ट ने सड़क के कुत्तों को गोद लेने की दलील खारिज करते हुए स्पष्ट कहा है कि सड़क के कुत्ते अचानक पालतू नहीं बन सकते। इसलिए इसकी इजाजत नहीं दी जा सकती है। दूसरा, मानव जीवन और सुरक्षा सबसे पहले है। इसलिए तुरंत कदम उठाए जाने चाहिए। तीसरा, रोजाना पकड़े गए और शेल्टर में रखे गए कुत्तों का रेकॉर्ड बनाएं। चतुर्थ, एक सप्ताह के भीतर हेल्पलाइन बनाई जाए, ताकि कुत्ता-काटने के मामलों की रिपोर्ट हो सके।

वहीं, सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में स्पष्ट रूप से पूछा है कि, क्या एनिमल एक्टिविस्ट और 'कथित पशु प्रेमी' उन बच्चों को वापस ला पाएंगे जो रेबीज का शिकार हो गए। बता दें कि कोर्ट ने गत 28 जुलाई को स्वतः संज्ञान लेते हुए यह मामला उठाया था, जब एक रिपोर्ट में दिल्ली-एनसीआर में रेबीज के बढ़ते मामलों, बच्चों और बुजुर्गों की मौत पर चिंता जताई गई थी। वहीं, दिल्ली-एनसीआर में सड़क के कुत्तों को शेल्टर होम में भेजने के आदेश के एक दिन बाद, सुप्रीम कोर्ट ने एक और नया सर्कुलर जारी किया। कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि सुप्रीम कोर्ट परिसर में बचे खाने को खुले में न फेंकें। उसे सिर्फ ढक्कन लगे कूड़ेदान में डालें, जिससे कि जानवरों के काटने की घटनाओं से बचा जा सके। सर्कुलर में इस मामले में नोटिस लिया गया कि सुप्रीम कोर्ट परिसर में गलियारों और लिफ्ट के अंदर कुत्तों के घूमने की घटनाओं में 'काफी' बढ़त देखी गई है। वहीं, यह सबकुछ करते हुए भी कोर्ट की भाषा विनम्र है और उसने विजिटर से भी निर्देश लागू करने में सहयोग मांगा है। जारी सर्कुलर में आगे कहा गया कि बचा हुआ सारा खाना सिर्फ कूड़ेदान में डाला जाए। किसी भी परिस्थिति में खुली जगह या बिना ढक्कन वाले बर्तनों में खाना नहीं फेंका जाना चाहिए। यह कदम जरूरी है, जिससे कि जानवरों (सड़क के कुत्तों) को खाने की गंध से आकर्षित होकर इधर-उधर घूमने से रोका जा सके।

मोदी, जयशंकर और डोभाल... भारत की ट्रिपल इंजन कूटनीति ने दुनिया में मचाया धमाल

अमेरिका के साथ टैरिफ विवाद और वैश्विक शक्ति-संतुलन में हो रहे बदलाव के बीच, यह सक्रियता भारत को न केवल दबाव झेलने की क्षमता देती है, बल्कि उसे एक निर्णायक वैश्विक खिलाड़ी के रूप में स्थापित करने की दिशा में भी ले जाती है।

नीरज कुमार दुबे

भारत का मौजूदा कूटनीतिक कैलेंडर इस समय एक दुर्लभ समन्वय का उदाहरण है, जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, विदेश मंत्री एस. जयशंकर और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल तीनों समानांतर मोर्चों पर काम कर रहे हैं। यह ट्रिपल इंजन रणनीति भारत को न केवल अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सक्रिय बनाए रखती है, बल्कि विभिन्न वैश्विक शक्ति केंद्रों के साथ तालमेल बैठाने में भी मदद करती है। मोदी का आगामी तियानजिन (चीन) दौरा, SCO शिखर सम्मेलन में भागीदारी और सीमा शांति पर जोर, जयशंकर का मॉस्को दौरा और रूस के साथ ऊर्जा व तकनीकी सहयोग पर वार्ता तथा डोभाल की चीन व रूस में उच्च-स्तरीय सुरक्षा बातचीत, ये सभी एक ही लक्ष्य की ओर इशारा करते हैं- रणनीतिक स्वायत्तता बनाए रखते हुए बहु-संरेखण की नीति को मजबूत करना।

अमेरिका के साथ टैरिफ विवाद और वैश्विक शक्ति-संतुलन में हो रहे बदलाव के बीच, यह सक्रियता भारत को न केवल दबाव झेलने की क्षमता देती है, बल्कि उसे एक निर्णायक वैश्विक खिलाड़ी के रूप में स्थापित करने की दिशा में भी ले जाती है। भारत का यह व्यस्त कूटनीतिक कैलेंडर इस बात का संकेत है कि आने वाले महीनों में क्षेत्रीय और वैश्विक राजनीति में उसकी भूमिका और भी अहम होने वाली है।

हम आपको बता दें कि भारत की कूटनीति इस समय तीन मोर्चों पर एक साथ सक्रिय है— अमेरिका से टैरिफ विवाद, रूस के साथ सामरिक–आर्थिक साझेदारी और चीन के साथ सीमा मुद्दों पर संवाद। इसी परिप्रेक्ष्य में विदेश मंत्री एस. जयशंकर अगले सप्ताह रूस की राजधानी मॉस्को में अपने समकक्ष सर्गेई लावरोव से 21 अगस्त को वार्ता करेंगे, जबकि इससे पहले 18 अगस्त को चीन के विदेश मंत्री वांग यी नई दिल्ली में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (NSA) अजीत डोभाल के साथ सीमा मुद्दे पर वार्ता करेंगे। यह घटनाक्रम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इस माह के अंत में तियानजिन (चीन) यात्रा की पृष्ठभूमि तैयार कर रहा है, जहां वह शंघाई सहयोग संगठन (SCO) शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे। पिछले सप्ताह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत के उत्पादों पर अतिरिक्त 25% टैरिफ लगाकर कुल सीमा शुल्क 50% कर दिया, जिसका सीधा कारण भारत का रूसी तेल का आयात बताया गया। हालांकि भारत ने स्पष्ट किया है कि ऊर्जा खरीद राष्ट्रीय हित और बाज़ार परिस्थितियों पर आधारित है, न कि किसी दबाव पर। यह कदम भारत–अमेरिका संबंधों में तनाव पैदा कर सकता है, खासकर ऐसे समय में जब भारत संयुक्त राष्ट्र महासभा के लिए प्रधानमंत्री मोदी की अमेरिका यात्रा पर विचार कर रहा है। इसी बीच, रूस के साथ भारत उच्च-स्तरीय संवाद तेज कर रहा है। NSA डोभाल हाल ही में मॉस्को जाकर राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मिले थे और अब जयशंकर वहां द्विपक्षीय मुद्दों, ऊर्जा सहयोग और पुतिन की आगामी भारत यात्रा की तैयारियों पर चर्चा करेंगे।

उधर, चीनी विदेश मंत्री वांग यी की नई दिल्ली यात्रा स्पेशल रिप्रेजेंटेटिव (SR) संवाद के तहत हो रही है, जिसमें वांग और डोभाल सीमा मुद्दे पर वार्ता करेंगे। यह वार्ता ऐसे समय हो रही है जब गलवान घाटी की 2020 की हिंसक झड़प के बाद भारत–चीन संबंधों में आई कड़वाहट को कम करने के लिए दोनों देश कई संवाद तंत्रों को पुनर्जीवित कर रहे हैं। हम आपको याद दिला दें कि पिछले वर्ष कज़ान (रूस) में मोदी और शी जिनपिंग की मुलाकात में कैलाश मानसरोवर यात्रा बहाल करने, चीनी पर्यटकों को वीज़ा जारी करने और जल्द ही सीधी उड़ानें शुरू करने जैसे कदमों पर सहमति बनी थी।

देखा जाये तो तियानजिन में होने वाला शंघाई सहयोग संगठन (SCO) शिखर सम्मेलन महज़ एक बहुपक्षीय कार्यक्रम नहीं है, बल्कि भारत–चीन संबंधों में आई ठंडक को कम करने और बदलते वैश्विक समीकरणों के बीच भारत की रणनीतिक स्वायत्तता को मजबूती देने का अवसर भी है। हाल के वर्षों में गलवान संघर्ष, डोकलाम गतिरोध और व्यापारिक तनावों ने भारत–चीन संबंधों को कई बार संकट में डाला। हालांकि पिछले वर्ष ब्रिक्स सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच यह सहमति बनी थी कि सीमा विवाद शांति बनाए रखते हुए सुलझाए जाएंगे। यह सहमति अभी तक अक्षुण्ण है और यही मोदी की यात्रा का सबसे बड़ा आधार है।

हम आपको बता दें कि SCO, जिसमें चीन और रूस की प्रमुख भूमिका है, वह क्षेत्रीय सुरक्षा, आतंकवाद-रोधी सहयोग और कनेक्टिविटी के लिए एक महत्वपूर्ण मंच है। भारत इस मंच पर बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (BRI) जैसी विवादित परियोजनाओं से दूरी बनाए हुए है, लेकिन आतंकवाद-रोधी पहल और मध्य एशिया से संपर्क के लिए इसे आवश्यक मानता है। रूस ने भी अप्रत्यक्ष रूप से भारत और चीन को इस मंच पर संवाद के लिए प्रेरित किया है।

माना जा रहा है कि मोदी की चीन यात्रा के दौरान सीमा शांति की पुनः पुष्टि के साथ-साथ व्यापार और निवेश में सहयोग बढ़ेगा। भारत $100 अरब के व्यापार घाटे को कम करने के लिए चीन से आयात बढ़ाने की अपेक्षा करेगा, वहीं चीन अपने निवेश के लिए पारदर्शी माहौल की मांग करेगा। माना जा रहा है कि चीन के साथ द्विपक्षीय बैठक में विश्वास बहाली और व्यापार, निवेश व उभरती प्रौद्योगिकियों में सहयोग की संभावना है। रणनीतिक स्तर पर यह यात्रा इंडो-पैसिफिक में शक्ति-संतुलन बनाए रखने, मध्य एशिया में भारत की उपस्थिति मजबूत करने और अमेरिका की संभावित नीतिगत बदलावों से बचाव का साधन भी है।

देखा जाये तो भारत–चीन संबंधों ने पिछले दशक में कई उतार-चढ़ाव देखे हैं— कभी अनौपचारिक शिखर वार्ताओं से उत्साह, तो कभी सीमा पर टकराव से निराशा। इस यात्रा का असली संदेश प्रधानमंत्री मोदी के हालिया वक्तव्य में छिपा है, जिसे बीजिंग ने भी स्वीकार किया— "प्रतिस्पर्धा को संघर्ष में नहीं बदलना चाहिए।" यही दृष्टिकोण भारत की कूटनीति को बदलते वैश्विक समीकरणों में मजबूती देगा और उसे एक स्वतंत्र, संतुलित और दीर्घकालिक शक्ति के रूप में स्थापित करेगा।

बहरहाल, भारत का मौजूदा कूटनीतिक कैलेंडर यह दिखाता है कि वह एक साथ तीन महाशक्तियों के साथ अपने समीकरण साधने की कोशिश कर रहा है— अमेरिका के साथ टैरिफ विवाद में टकराव से बचना, रूस के साथ ऊर्जा व रक्षा साझेदारी मजबूत करना और चीन के साथ प्रतिस्पर्धा को संघर्ष में न बदलने का प्रयास करना। मोदी की तियानजिन यात्रा इस संतुलन साधने की कला का हिस्सा है। यह यात्रा यदि ठोस समझौतों या भरोसा बहाली के कदमों में बदलती है, तो भारत–चीन संबंधों में नया अध्याय खुल सकता है और साथ ही यह अमेरिका को भी संकेत देगा कि भारत अपनी रणनीतिक स्वायत्तता से समझौता नहीं करेगा।

अजब-गजब

'केस खुद लड़ेगा डॉगेश भाई', सुनवाई से पहले Supreme Court में दिखा आवारा कुत्ता, लोग यूं ले रहे मौज

दिल्ली-एनसीआर में आवारा कुत्तों (Stray Dogs) को लेकर चल रही बहस के बीच सुप्रीम कोर्ट (Supreme Court) में हुई एक मजेदार घटना ने सोशल मीडिया पर सबका ध्यान खींचा है। जब गुरुवार को कोर्ट इस गंभीर मुद्दे पर सुनवाई कर रहा था, उसी दौरान कोर्ट परिसर में एक आवारा कुत्ता देखा गया। जैसे ही यह खबर सोशल मीडिया पर फैली, प्रतिक्रियाओं की बाढ़ आ गई।

नेटिजन्स इस मौके को भुनाने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। लोगों ने सोशल साइट एक्स (पहले ट्विटर) पर मजेदार मीम्स और चुटकुलों की बौछार कर दी है। किसी ने आवारा कुत्ते को 'डोगेश कुमार' नाम दिया, तो किसी ने कहा कि लगता है भाई अपना भविष्य जानने आया है।

@LiveLawIndia एक्स हैंडल से शेयर हुई आवारा कुत्ते की इस तस्वीर पर एक यूजर ने मजाकिया अंदाज में कहा, अपना केस खुद लड़ेगा डॉगेश भाई। दूसरे ने कमेंट किया, पीड़ित को अदालत आकर सुनवाई में शामिल होने का अधिकार है। एक अन्य यूजर ने लिखा, आवारा कुत्ते ने अपने ही मामले में हस्तक्षेप याचिका दायर की! इस मामले में वह अपना और दूसरों का प्रतिनिधित्व करेगा।

इन मजेदार कमेंट्स ने इस गंभीर बहस को कुछ समय के लिए हल्का-फुल्का बना दिया। यह पूरा मामला सुप्रीम कोर्ट के उस आदेश से जुड़ा है, जिसमें दिल्ली-एनसीआर से आवारा कुत्तों को सड़कों से हटाकर शेल्टर होम भेजने का निर्देश दिया गया था।

सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले के बाद देशभर में बहस छिड़ गई। कई लोगों ने इसका समर्थन किया, तो कई पुरजोर विरोध कर रहे थे। इसी के चलते सुप्रीम कोर्ट इस मामले पर पुनर्विचार कर रहा है। गुरुवार हुई सुनवाई के बाद कोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित रखा है।

ब्लॉग

क्या पीएम नरेंद्र मोदी के सितंबर अमेरिकी दौरा से आपसी रिश्तों में जमी बर्फ कुछ पिघलेगी? समझिए मायने

कमलेश पांडे

चाहे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप हों, या अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेन्स, दोनों भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को ₹टफ नेगोशिएटर₹ यानी ₹कठोर वार्ताकार₹ बताते आए हैं। इसका अभिप्राय एक ऐसे व्यक्ति से होता है जो बातचीत में आसानी से हार नहीं मानता, अपनी बात पर दृढ़ रहता है और समझौते पर पहुंचने के लिए आसानी से झुकता नहीं है। जब-जब मैं उन दोनों नेताओं के मुख से टंप नेगोशिएटर शब्द सुनता हूँ तो महसूस करता हूँ कि आखिर इन अमेरिकियों के मन में चल क्या रहा है?

लेकिन अब उन बातों का जवाब मिल चुका है। वह यह कि अमेरिका को चीन के मुकाबले एक मजबूत भारत नहीं, बल्कि पिछलग्गू भारत की जरूरत है। वहीं, भारत विरोधी पाकिस्तान व बांग्लादेश को पुनः भड़काकर अमेरिकी नेताओं ने मित्रता की आड़ में जो शत्रुतापूर्ण चालें चलीं हैं, उसके भी सही जवाब का उन्हें इंतजार करना होगा, क्योंकि प्रधानमंत्री मोदी आजतक किसी के चतुराई भरे व्यवहार या दुर्व्यवहार को कभी भूलते नहीं हैं और उचित वक्त आने पर सूद समेत ऐसा वापस करते हैं, जिसे दिग्गज नेता व उद्योगपति ज्यादा समझते हैं। उन्हें इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि वह अच्छा लग रहा है या बुरा।

दरअसल, यह बात मैं इसलिए कर रहा हूँ कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आगामी सितंबर माह में संयुक्त राष्ट्र महासभा के एक उच्च स्तरीय सत्र को संबोधित करने के लिए मित्र से शत्रु बनते जा रहे देश अमेरिका का अहम दौरा कर सकते हैं। पीएम नरेंद्र मोदी की संभावित अमेरिका यात्रा इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह एक ऐसे समय में हो रही है जब हाल के महीनों में भारत और अमेरिका के बीच संबंध प्रभावित हुए हैं। पहले इन सम्बन्धों पर रूस-यूक्रेन की वक्र दृष्टि पड़ी और फिर भारत-पाक सीमित संघर्ष और इजरायल-ईरान युद्ध की। भारत-चीन की आंखमिचौली की बात अलग है।

गौरतलब है ऐसा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान जब ट्रंप ने भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध विराम कराने का दावा किया तो नई दिल्ली ने उनके इस दावे का खंडन कर दिया। वहीं रूस-चीन से सीधी शत्रुता मोल नहीं ली। वहीं, गुटनिरपेक्ष भारत ने ग्लोबल साउथ को जो नेतृत्व दिया उससे भी विकसित देश चिढ़े हुए हैं। लिहाजा, सुलगता हुआ सवाल है कि क्या पीएम नरेंद्र मोदी के संभावित सितंबर अमेरिकी दौरा से आपसी रिश्तों में जमी बर्फ कुछ पिघलेगी? यदि हां तो फिर क्या इसके मायने दोनों पक्षों के लिए हितकारी साबित होंगे? उससे भी बड़ा सवाल यह है कि आखिर अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप अपने नवोदित पार्टनर भारत और पीएम मोदी के पीछे हाथ धोकर क्यों पड़े हुए हैं? आखिर वो क्या वजह है कि अमेरिका, अपने वैश्विक प्रतिस्पर्धी चीन का घोर विरोधी होने के बावजूद भी उसे अब नजरअंदाज कर रहा है, जबकि पहले सीधे टारगेट पर लिया करता था? यक्ष प्रश्न है कि भारत का नया करीबी पार्टनर होने के बावजूद अमेरिका उसे आंख पर आंख क्यों दिखाता जा रहा है! क्या भारत के साथ जारी टैरिफ युद्ध सिर्फ व्यापार तक सीमित है या फिर इसका अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक एजेंडा कुछ और है?

इस लिहाज से प्रासंगिक सवाल है कि क्या ट्रंप सरकार भारत के साथ अपने संबंधों में तनाव बढ़ाकर एक बड़ी वैश्विक भूल कर रही है? या फिर यूरोपीय संघ के देशों, पाकिस्तान और चीन को पुनः पटाने के लिए वह अपने पुराने ढर्रे पर जा रहा है? समझा जाता है कि इन सभी सवालों के उत्तर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सितंबर अमेरिका यात्रा से मिल सकती है। क्योंकि उन्हें 21 वीं सदी का एशियाई बिस्मार्क समझा जाता है। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेन्सकी के मुताबिक, यहीं पर उनकी मुलाकात प्रधानमंत्री मोदी से होगी, जैसा कि पीएम मोदी ने उन्हें आश्वस्त किया है।

समझा जाता है कि भारतीय विदेश नीति की परिपक्वता से 'खूनी कारोबारी' के रूप में मशहूर अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के युद्धोन्मादी एशियाई सपने धरे के धरे रह गए हैं। इसलिए ट्रंप बौखलाए हुए हैं। तभी तो उन्होंने पिछले महीने भारतीय वस्तुओं पर 25 प्रतिशत पारस्परिक टैरिफ लगाया। इसके साथ ही रूसी तेल के आयात पर 25 फीसदी अतिरिक्त जुर्माना टैरिफ लगाकर इसे बढ़ाकर 50 प्रतिशत कर दिया। जबकि भारत सरकार ने कहा है कि टैरिफ के मुद्दे पर दोनों देशों की ओर से कई मुद्दों/मोर्चों पर बातचीत चल रही है। लिहाजा, मोदी के अमेरिका दौरे का मुख्य उद्देश्य ट्रंप से व्यापार मुद्दों पर चर्चा करना और टैरिफ समझौता करना हो सकता है।

यह भी अजीबोगरीब बात है कि भारत के प्रमुख प्रतिद्वंद्वी देश अमेरिका-चीन की यात्रा प्रधानमंत्री मोदी इसी अगस्त/सितंबर माह में करने वाले हैं, जो उनका जन्म माह भी है। इसलिए करिश्माई परिणाम की उम्मीद रखी जा सकती है। वहीं, मित्र देश रूस के राष्ट्रपति नवंबर-दिसंबर में भारत आएंगे। जबकि भारत के विदेशमंत्री एस जयशंकर 21 अगस्त को रूस में अपने समकक्ष से कूटनीतिक व रणनीतिक साझेदारी बढ़ाने की बात करेंगे। वहीं, अक्टूबर में क्वाड सम्मेलन में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंफ के भी भारत आने का कार्यक्रम है, लेकिन उनके बदलते वैश्विक रूख के चलते यह मामला आगे बढ़ेगा या खटाई में पड़ेगा, गुजश्ता वक्त बताएगा।

उल्लेखनीय है कि संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) का 80वां सत्र 9 सितंबर को शुरू होगा। जिसके बाद उच्च स्तरीय सामान्य बहस 23-29 सितंबर तक चलेगी, जिसमें ब्राजील सत्र का पारंपरिक पहला वक्ता होगा, उसके बाद अमेरिका होगा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप 23 सितंबर को प्रतिष्ठित यूएनजीए मंच से विश्व के नेताओं को संबोधित करेंगे। यह व्हाइट हाउस में उनके दूसरे कार्यकाल में संयुक्त राष्ट्र सत्र में उनका पहला संबोधन होगा। जबकि, भारत के शासन प्रमुख पीएम नरेंद्र मोदी 26 सितंबर की सुबह सत्र को संबोधित करेंगे।

बताया जाता है कि इसी दिन इजरायल, चीन, पाकिस्तान और बांग्लादेश के राष्ट्राध्यक्ष यानी पीएम और राष्ट्रपति का भी यूएनजीए की आम बहस को संबोधित करने का कार्यक्रम है। ततपश्चात इसका समापन 29 सितंबर को होगा। बता दें कि यह वार्षिक बैठक वैश्विक चुनौतियों का समाधान करने और समाधानों पर सहयोग करने के लिए संयुक्त राष्ट्र के सभी 193 सदस्य देशों के नेताओं को एक साथ लाती है।

बताया जाता है कि इसी अमेरिकी यात्रा के दौरान उनकी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेन्सकी से मुलाकात की संभावना है, जिसके बाद दोनों देशों के नेताओं के बीच अलग-अलग समयों पर व्यापार मुद्दों और युद्ध रोकवाने पर बातचीत हो सकती है। इस बातचीत में अमेरिकी टैरिफ को लेकर पारस्परिक सहमति बनाने पर भी जोर रहेगा। बता दें कि नरेंद्र मोदी और डोनाल्ड ट्रंप की आखिरी मुलाकात फरवरी 2025 में हुई थी जब भारतीय प्रधानमंत्री अमेरिका गए थे। रिपोर्टों के अनुसार, पीएम मोदी की यात्रा की तैयारियां चल रही हैं और अगस्त के अंत तक इसे अंतिम रूप दिया जा सकता है।

गौरतलब है कि अपनी पिछली द्विपक्षीय बैठक के बाद जारी एक संयुक्त बयान में, पीएम मोदी और ट्रंप ने 2025 के अंत तक पारस्परिक रूप से दोनों के लिए फायदेमंद, बहु-क्षेत्र द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) की पहली किश्त पर बातचीत करने की योजना की घोषणा की थी। लेकिन व्यापार वार्ता के बीच ही ट्रंप ने भारत पर कुल 50 प्रतिशत टैरिफ लगा दिया, जिसमें नई दिल्ली की रूसी तेल की खरीद के लिए 25 प्रतिशत भी शामिल था, जो 27 अगस्त से लागू होगा। वहीं, पिछले सप्ताह ट्रंप के कार्यकारी आदेश में 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगाने की घोषणा ऐसे समय में हुई है जब अमेरिका और भारत के प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते के लिए छठे दौर की वार्ता के लिए अमेरिका की एक टीम 25 अगस्त से भारत का दौरा करने वाली है। दोनों देश इस साल अक्टूबर-नवंबर तक समझौते के पहले चरण को समाप्त करने का लक्ष्य बना रहे हैं।

लिहाजा, इस टैरिफ पर प्रतिक्रिया देते हुए भारत के विदेश मंत्रालय ने कहा है कि उनके देश को निशाना बनाना अनुचित है। किसी भी प्रमुख अर्थव्यवस्था की तरह, भारत अपने राष्ट्रीय हितों और आर्थिक सुरक्षा की रक्षा के लिए सभी आवश्यक उपाय करेगा। दरअसल, भारत सरकार का कहना है कि हम इन मुद्दों पर पहले ही अमेरिका से अपना रुख स्पष्ट कर चुके हैं। इनमें यह तथ्य शामिल है कि हमारा आयात बाजार की परिस्थितियों पर आधारित है। इसका मकसद भारत की एक अरब 40 करोड़ आबादी की ऊर्जा सुरक्षा को सुनिश्चित करना है।

यही वजह है कि भारत ने अमेरिका के इस टैरिफ सम्बन्धी फैसले को दुर्भाग्यपूर्ण और तर्कहीन करार दिया। पीएम नरेंद्र मोदी ने भी साफ-साफ कहा है कि टैरिफ के मसले पर भारत अपने हितों के साथ कतई समझौता नहीं करेगा। वहीं, भारत के अलावा चीन भी रूस का बड़ा व्यापारिक साझेदार है। चीन भारत के मुकाबले करीब दोगुना रूसी तेल का आयात करता है। फिर भी अमेरिका ने चीन को 90 दिनों की मोहलत दे दी है। लिहाजा, हम इसका भी कारण समझेंगे, लेकिन पहले समझते हैं टैरिफ के कारण भारत को क्या नुकसान उठाना पड़ सकता है। ऐसे में सवाल है कि आखिर में भारत, अमेरिकी शर्तें क्यों नहीं मान रहा है? तो इसका स्पष्ट जवाब होगा कि ट्रम्प ने लंबे समय से भारत को ₹टैरिफ किंग₹ करार दिया है। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय के अनुसार, 2024 में 45.8 अरब डॉलर के भारी अमेरिकी माल व्यापार घाटे का सबूत देते हैं, जिससे अर्थव्यवस्था से जुड़े संवेदनशील क्षेत्रों पर वार्ता बार-बार लड़खड़ा गई। ऐसा इसलिए कि भारत ने कृषि और डेयरी उत्पादों पर टैरिफ में कटौती करने से इनकार कर दिया है।

ऐसे में पूरक सवाल यह है कि क्या भारत से रिश्ते खराब करना ट्रंप के लिए बड़ी कूटनीतिक भूल साबित होगी? तो इसका जवाब यही होगा कि भारत के खिलाफ अमेरिकी कार्रवाई बिना सोचे-समझे लिया गया फैसला प्रतीत होता है। ट्रंफ इसके लिए बदनाम भी रहे हैं। इसलिए विशेषज्ञ बताते हैं कि इस टैरिफ बढ़ोतरी का एकमात्र उद्देश्य एक मनोनुकूल राजनीतिक एजेंडा सेट करना है, जो अंतरराष्ट्रीय पैमाने पर लड़खड़ाए अमेरिका की अब प्राथमिक ज़रूरत बन चुकी है। इसलिए आशंका है कि मौजूदा दंडात्मक शुल्क दोनों देशों के बीच विगत 25-30 वर्षों की कड़ी मेहनत से बनाए गए विश्वास और सहयोग को कहीं खतरे में नहीं डाल दें।

जगत तारन गर्ल्स डिग्री कॉलेज में बी0ए0 प्रथम वर्ष प्रवेश काउंसिलिंग जारी

आर्यावर्त संवाददाता

प्रयागराज। प्राचार्या, जगत तारन गर्ल्स डिग्री कालेज ने बताया है कि बी०ए० प्रथम वर्ष सत्र 2025-26 की काउंसिलिंग प्रारम्भ है। प्रवेश हेतु वे छात्राएं जिन्होंने महाविद्यालय के प्रवेश पोर्टल पर सीयूईटी (यूजी) 2025 के अंतर्गत दिनांक 12 अगस्त तक पंजीकरण कराया है, वे फार्म वेरीफिकेशन एवं विषय आवंटन हेतु महाविद्यालय में ऑनलाइन आवेदन फार्म की प्रिन्टेड प्रति (स्वप्रमाणित संलग्नकों सहित) तथा अपने प्रमाणपत्रों की मूलप्रति के साथ निर्धारित तिथियों पर स्वयं प्रवेश समिति के सामने उपस्थित हों। अभ्यर्थियों को एसएमएस एवं प्रवेश पोर्टल के माध्यम से भी काउंसिलिंग तिथि एवं विषय आवंटन की सूचना भेज दी गयी है। उन्होंने बताया कि 19 अगस्त को प्रातः 10.00 से 11.30 बजे तक सामान्य एवं अनारक्षित 260 या अधिक कट ऑफ की छात्राओं की काउंसलिंग की जाएगी। इसी प्रकार 19 अगस्त को ही प्रातः 10:00 बजे से 11:30 बजे तक अनुसूचित जाति की 108 या अधिक कट ऑफ वाली छात्रों की काउंसलिंग होगी। उन्होंने बताया कि काउंसिलिंग मेरिट के आधार पर होगी और ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया सीटों की उपलब्धता तक लगातार चलती रहेगी। काउंसिलिंग की सूचना महाविद्यालय की वेबसाइट एवं प्रवेश पोर्टल पर अद्यतन की जाती रहेगी। निर्धारित तिथि को उपस्थित नहीं होने वाली छात्राओं का सीट आवंटन रद्द कर दिया जायेगा एवं उन्हें फिर महाविद्यालय के प्रवेश पोर्टल पर पंजीकरण कराना होगा। अधिक जानकारी हेतु छात्राएं महाविद्यालय की वेबसाइट के नोटिस पटल, दैनिक समाचार पत्रों तथा महाविद्यालय के नोटिस बोर्ड को लगातार देखती रहें।

AMU में फीस पर हल्ला बोल! नारा-ए-तकबीर और अल्लाह-हू-अकबर के लगे नारे, तिरंगे पर भी की अपमानजनक टिप्पणी

आर्यावर्त संवाददाता

अलीगढ़। अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी (AMU) एक बार फिर विवादों के घेरे में है। यूनिवर्सिटी के अंदर फीस वृद्धि के खिलाफ चल रहा प्रदर्शन कोई और तूल पकड़ता दिखाई दे रहा है। प्रदर्शन के दौरान जमकर आजादी के नारे लगे। इसके साथ-साथ यूनिवर्सिटी में 'नारे तकदीर अल्लाह हू अकबर' जैसे मजहबी भी लगे। स्थिति तब खराब हो गई जब यूनिवर्सिटी का एक पूर्व छात्र ने तिरंगे को लेकर की अपमानजनक टिप्पणी की।

यूनिवर्सिटी के अंदर फीस वृद्धि को लेकर चल रहे धरने प्रदर्शन के बीच कुछ पूर्व छात्र और कुछ बाहरी यूनिवर्सिटी के छात्रों ने जमकर आजादी के नारे लगाए। इन छात्रों ने भड़काऊ नारे लगाये, 'हम नोच के लेंगे आजादी, हम तोड़ के लेंगे आजादी'। इस घटना के बाद फीस वृद्धि के खिलाफ चल रहे प्रदर्शन पर कई सवाल खड़े हो रहे हैं।

आतंकी खतरे और माहौल बिगाड़ने अलर्ट

कुछ दिन पहले दिल्ली शिक्षा मंत्रालय से सेंट्रल यूनिवर्सिटीयों को पत्र लिखकर अवगत कराया गया था कि आतंकी खतरे के साथ-साथ बाहरी द्वारा माहौल बिगाड़ा जा सकता है। लोकल स्लीपर सेल के जरिए यूनिवर्सिटियों को टारगेट किया जा सकता है। कुछ संगठन इसमें जुड़े हो सकते हैं जो यूनिवर्सिटीयों को नुकसान पहुंचा सकते है ऐसे में यूनिवर्सिटी अपनी सुरक्षा व्यवस्था को दुरुस्त करें। पूर्व छात्र ने तो तिरंगे को लेकर की गई अपमानजनक बात के बाद यह धरना अब फीस वृद्धि को लेकर नहीं रहा अब और किसी राह पर चलता दिखाई दे रहा है।

यूनिवर्सिटी प्रशासन पर उठ रहे सवाल

लेकिन अब यूनिवर्सिटी के अंदर जिस तरीके के नारे लग रहे हैं और कुछ पूर्व छात्र भड़काऊ भाषण या नारे लगा रहे हैं। इससे लग रहा है कि एएमयू के अंदर कुछ सही नहीं चल रहा है। यूनिवर्सिटी में बाहरी स्टूडेंट और लोगों का आना-जाना लगातार देखा जा रहा है जो की सुरक्षा की दृष्टि से प्रश्न चिन्ह लगा रहे है। यह नारे और अपमानजनक बातें करने वाले लोग कौन हैं इसका जवाब एएमयू इंतजामिया के पास नहीं है।

झांसी पुलिस के हत्थे चढ़े 4 शातिर ट्रैक्टर चोर, भागने की कोशिश कर रहे थे कि तभी... मुठभेड़ में अरेस्ट

आर्यावर्त संवाददाता

झांसी। उत्तर प्रदेश के झांसी में गुरसराय पुलिस ने अपराधियों के खिलाफ की बड़ी कार्रवाई की है। स्वाट टीम और गुरसराय पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में चार शातिर चोरों को गिरफ्तार किया गया, जिसमें एक बदमाश मुठभेड़ के दौरान गोली लगने से घायल हो गया। पुलिस ने इनके कब्जे से चोरी के दो ट्रैक्टर, एक ट्रॉली और अवैध असलहा बरामद किया है।

बताया जा रहा है कि अपर पुलिस महानिदेशक कानपुर जोन, पुलिस उपमहानिरीक्षक झांसी रेंज और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक झांसी के निर्देश पर जिले में अपराध नियंत्रण के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा था। इसी कड़ी में गुरसराय थाना पुलिस और स्वाट टीम ने संयुक्त रूप से मुठभेड़ के दौरान इन अपराधियों को धर दबोचा।

पुलिस ने मीडिया को जानती देते हुए बताया कि गिरफ्तार आरोपियों की पहचान राजाबाबू उर्फ कृष्णकांत (उम्र 21, निवासी मोहल्ला खुशीपुरा, थाना टोडी फतेहपुर), बृजेश कोरी (उम्र 23), संजीत अखरवार (उम्र 23) और छोटू रायकवार (उम्र 21, सभी निवासी ग्राम मथकनियां, थाना गुरसराय) के रूप में हुई है। मुठभेड़ के दौरान राजाबाबू को गोली लगी, जिसे इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया।

क्या-क्या बरामद किया?

पुलिस ने बरामदगी में एक ट्रैक्टर महिंद्रा 265 डीआई ट्रॉली सहित, एक ट्रैक्टर स्वराज 745 एक्सटी, एक अवैध तमंचा 315 बोर, जिंदा और खोखा कारतूस जब्त किए हैं। पुलिस ने बताया कि ये चारों ट्रैक्टर चोरी की घटनाओं से जुड़े हुए हैं। मुठभेड़ गुरसराय थाना क्षेत्र के मोठ रोड ग्राम इन्दी के पास चेकिंग के दौरान हुई। पुलिस को देखकर बदमाशों ने भागने की कोशिश की और अपने को बचाने के लिए पुलिस पर ही फायरिंग शुरू कर दी, जिसके जवाब में पुलिस ने भी मोर्चा संभाला। कुछ देर की इस मुठभेड़ के बाद चारों बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया गया।

आगे की कार्रवाई जारी

इन सभी आरोपियों के खिलाफ पुलिस ने संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि जिले में अपराधियों के खिलाफ ऐसी सख्त कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। गिरफ्तारी में प्रमुख भूमिका निभाने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक थाना गुरसराय व उनकी पुलिस टीम, तथा प्रभारी स्वाट टीम और उनके सहयोगी शामिल रहे। इस कार्रवाई ने न केवल चोरी के मामलों का खुलासा किया बल्कि इलाके में अपराधियों के हौसले भी पस्त किए हैं। यह मामला साफ तौर पर दिखाता है कि पुलिस की सजगता और सक्रियता से जिले में अपराध पर नकेल कसना संभव है, और कानून के खिलाफ जाने वालों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा।

विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस 2025 का भव्य आयोजन

आर्यावर्त संवाददाता

प्रयागराज। आज शहीद चंद्रशेखर आजाद पार्क प्रयागराज में विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के उपलक्ष्य में विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। मुख्य विकास अधिकारी हर्षिका सिंह के निर्देशानुसार जिला विकास अधिकारी के पर्यवेक्षण में पांडुलिपि अधिकारी एवं प्रभारी क्षेत्रीयअभिलेखागार संस्कृति विभाग, उत्तर प्रदेश के द्वारा विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर आधारित कार्यक्रम का संयोजन किया गया। कार्यक्रम स्थल पर अभिलेख प्रदर्शनी का सुंदर आयोजन किया गया। प्रदर्शनी में प्रधान मंत्री का वक्तव्य है कि - ₹देश के बंटवारे के दर्द को कभी भुलाया नहीं जा सकता। नफरत और हिंसा की वजह से हमारे लाखों बहनों और भाइयों को विस्थापित होना पड़ा और अपनी जान तक गंवानी पड़ी। उन लोगों के

संघर्ष और बलिदान की याद में 14 अगस्त को 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' के तौर पर मनाने का निर्णय लिया गया है।₹ इस प्रदर्शनी में विभाजन विभीषिका को सजीव करने वाले चित्रों को प्रदर्शित किया गया है। इस अवसर पर हिंदुस्तानी अकादमी, वाणी प्रकाशन, राजकमल समूह प्रकाशन,साहित्य भंडार द्वारा विभाजन विभीषिका से संबंधित पुस्तकों की प्रदर्शनी लगाई गई। प्रयागराज जनपद के ख्यात कवियों जितेंद्र मिश्रा,आभा मधुर श्रीवास्तव, शैलेंद्र मधुर, शाहिद सफर, मनमोहन सिंह तन्हा, दिनेश पांडे, नजर इलाहाबादी द्वारा राष्ट्रभक्ति से ओत प्रोत विभीषिका की त्रासदी पर आधारित काव्य पाठ किया गया।

जिलाधिकारी प्रयागराज मनीष कुमार वर्मा ने कहा कि आज का दिवस हम इसलिए मना रहे हैं क्योंकि हमें अपने इतिहास को कभी भूलना नहीं चाहिए उन्होंने इस बात पर बल देते हुए कहा कि विविधता में एकता एवं भारतीयता ही हमारी पहचान है 1 इस अवसर पर जिलाधिकारी के द्वारा विभाजित एवं विस्थापित पारिवारी जनों, कवियों, अधिकारियों को स्मृति चिन्ह एवं अंगवस्त्रम ओढाकर सम्मानित भी किया गया। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी प्रयागराज श्रीमती हर्षिका सिंह की उपस्थिति रही।

चतुर्थ वाहिनी पीएसी प्रयागराज में तिरंगा यात्रा का आयोजन

आर्यावर्त संवाददाता

प्रयागराज। हर घर तिरंगा अभियान–2025 के तहत चतुर्थ वाहिनी पीएसी प्रयागराज में आज सेनानायक मनीष कुमार शांडिल्य (आईपीएस) की उपस्थिति में हर घर तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया।

सर्वप्रथम सेनानायक द्वारा तिरंगा झंडा फहराकर यात्रा का शुभारंभ किया एवं वाहिनी के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा लोक जागरूकता के लिए तिरंगा रैली निकालकर हर घर तिरंगा यात्रा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह तिरंगा यात्रा वाहिनी मुख्य द्वार से प्रारंभ होकर पुलिस मॉडर्न स्कूल होते हुए कंधईपुर मोड के रास्ते वाहिनी अस्पताल गेट से पुनः वाहिनी में प्रवेश की । इस कार्यक्रम का उद्देश्य हर नागरिक को अपने घर पर तिरंगा फहराने के लिए प्रेरित करना है । हर

घर तिरंगा अभियान देशभक्ति की भावना को प्रबल करता है और राष्ट्रध्वज के महत्व के प्रति जागरूकता बढ़ाता है। तिरंगा सिर्फ एक झंडा नहीं, यह हमारे स्वाभिमान की पहचान है इस कार्यक्रम के दौरान एसएसएफ सहायक सेनानायक प्रेम प्रकाश यादव, सहायक सेनानायक श्रीमती ज्योत्सना मिश्रा, प्रभारी शिविरपाल विनय कुमार सिंह, एसएसएफ शिविरपाल केशव चंद राय, सूबेदार सैन्य सहायक विजय सिंह, ड्यूटी दल प्रभारी दलनायक आशीष शुक्ला, एसएसएफ सूबेदार सैन्य सहायक अभिषेक सिंह, सहायक शिविरपाल रजनीकांत सहित वाहिनी के समस्त अधिकारी, कर्मचारीगण, व आरटीसी प्रशिक्षु उपस्थित रहे।

झांसी में कुएं के अंदर मिली लड़की की सिर कटी लाश, दो बोरियों में डले थे बॉडी पार्ट्स... बदबू आने से खुला राज

आर्यावर्त संवाददाता

झांसी। उत्तर प्रदेश के झांसी से ऐसी खबर सामने आई है जिसे जानकर आपकी भी रूह कांप जाएगी। यहां एक कुएं से अर्धनग्न अवस्था में युवती की सिर कटी लाश बरामद हुई है। लाश सड़-गल चुकी थी। जिसने भी इसे देखा उसके रोंगटे खड़े हो गए। पुलिस ने लाश को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया है। उसके गायब अंगों तो तलाशा जा रहा है। साथ ही पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि आखिर ये युवती कौन थी।

घटना टोड़ी फतेहपुर थाना क्षेत्र के किशोरपुरा गांव की है। जानकारी के अनुसार, किशोरपुरा गांव के ही निवासी विनोद पटेल के खेत के पास महेबा रोड पर स्थित एक कुएं से अचानक तेज बदबू आने लगी थी। बदबू बढ़ने पर ग्रामीणों ने कुएं में झांककर देखा तो पानी में दो बोरियां

पाणिनी ऊपर उतरती हुई दिखाई दीं। लोगों को शक होने पर इसकी सूचना तुरंत पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों बोरियां बाहर निकालीं। अंदर का नजारा देख सभी की आंखें फटी की फटी रह गईं।

ग्रामीणों के अनुसार, बोरियों में युवती के शरीर के अलग-अलग हिस्से भरे हुए थे, एक बोरी में गर्दन से कमर तक का हिस्सा मिला, जबकि दूसरी में कमर से जांघ तक का हिस्सा था। तो वहीं युवती के हाथ, पैर और सिर गायब थे। शव पर केवल मामूली कपड़े थे। इतना ही नहीं, शव को ऊपर आने से रोकने के लिए बोरियों में ईंट-पत्थर भी भरे गए थे।

सूचना मिलते ही पुलिस के साथ-साथ भारी संख्या में ग्रामीण घटनास्थल पर इकट्ठा हो गए। देखते ही देखते मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। पुलिस ने शव के टुकड़ों को कब्जे में लेकर शिनाख्त की कोशिश शुरू की, लेकिन अब तक मृतका की पहचान नहीं हो सकी है। प्राथमिक जांच में अनुमान लगाया जा रहा है कि हत्या करीब तीन दिन पहले की गई होगी।

झांसी के पुलिस अधीक्षक ग्रामीण डॉ। आविद कुमार ने बताया- मामले की जांच के लिए विशेष टीम गठित की गई है। शव के शेष अंगों और सिर की तलाश के लिए सर्च ऑपरेशन चलाया गया है, लेकिन बारिश की वजह से काफी दिक्कतें आ रही हैं। पुलिस आस-पास के गांवों और थानों से गुमशुदगी की रिपोर्ट खंगाल रही है, ताकि मृतका की पहचान हो सके।

आस-पास के गांव में भी दहशत

पुलिस अधिकारियों ने जानकारी देते हुए एसपी ने बताया- हत्या की बर्बरता से अंदाजा लगाया जा रहा है कि आरोपी मृतका की पहचान छुपाना चाहता था। इसी वजह से उसके सिर और हाथ-पैर गायब कर दिए गए। फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है, चाहे मामला आपसी रंजिश का हो, प्रेम प्रसंग से जुड़ा हो, या फिर किसी संगठित अपराध से संबंधित। इस घटना ने न केवल किशोरपुरा बल्कि आस-पास के इलाकों में भी दहशत का माहौल पैदा कर दिया है। ग्रामीणों में भय और आक्रोश दोनों ही नजर आ रहा है। लोग इसे जिले का सबसे विभत्स हत्या कांड मान रहे हैं।

सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं

फिलहाल पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है, जो हत्या के समय, तरीके और संभावित कारणों पर रोशनी डाल सकती है। साथ ही, आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है और स्थानीय मुखबिरों को सक्रिय कर दिया गया है। कुएं से सिरकटी लाश मिलने की यह वारदात कानून-व्यवस्था और सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर रही है। जबकि, पुलिस का दावा है कि अपराधियों को जल्द ही पकड़कर घटना का खुलासा किया जाएगा।

जेब में 6 आने और हर तरफ लाशें ही लाशें... पाकिस्तान से कानपुर आया अरोड़ा परिवार, ट्रेन में मूंगफली बेच कैसे बन गया करोड़पति?

आर्यावर्त संवाददाता

कानपुर। सोने की चिड़िया और अखंड भारत... लेकिन 1947 को मिली आजादी के बाद बंटवारे का मंजर इतना दर्दनाक था कि हर कहीं बस लाशें ही लाशें दिख रही थीं। बंटवारे बाद एक हुआ हिंदुस्तान और एक बन गया पाकिस्तान। इस बंटवारे ने कई परिवारों को इधर से उधर कर दिया। कई परिवार टूट गए लेकिन कुछ ऐसे भी थे जिन्होंने हिम्मत नहीं छोड़ी। ऐसा ही एक परिवार था अरोड़ा परिवार। बंटवारे के बाद इस परिवार ने भारत का रुख किया और मुफलिसी से लड़ते हुए आज उस मुकाम पर पहुंच गए जहां हर तरफ सिर्फ तरक्की है। इन सबके बावजूद उन दिनों को याद करते हुए आज भी आंखें नम हो जाती हैं। सड़क पर रहना और बंटवारे का दर्द आज भी जीवंत हो उठता है। यह कहानी है कानपुर के अरोड़ा

परिवार की।

कानपुर के कारोबारी विनय अरोड़ा बंटवारे के समय का दृश्य बयान करते हैं। उन्होंने बताया कि उनके दादा मूलचंद अरोड़ा और दादी द्रोपदी देवी अरोड़ा लाहौर के भगवानपुरा में रहा करते थे। वहां पर मूलचंद अरोड़ा कपड़े का व्यापार करते और अपने दो बेटों और तीन बेटियों का पालन पोषण कर रहे थे। उस समय 1947 में बंटवारे की त्रासदी आई और अपना सब कुछ छोड़कर मूलचंद अपने परिवार को लेकर ट्रेन में सवार हो गए। विनय अरोड़ा ने बताया कि उन्होंने अपने बुजुर्गों से सुना है कि चारों तरफ लाशें ही लाशें थीं। सबको काटा जा रहा था। इन सबके बीच बोरियों के पीछे छुपते हुए मूलचंद अपने परिवार को लेकर कानपुर आ गए।

रिफ्यूजी कैंप में रहते, ब्लेड-मुंगफली बेचते

पुराने दिनों को याद करते हुए विनय अरोड़ा ने बताया कि दादा मूलचंद के कानपुर आने का कारण था कि उनके मौसा यहीं रहा करते थे। अपना परिवार पालने के लिए मूलचंद अरोड़ा व्यापार की तलाश में हरिद्वार गए और वहीं उनका देहांत हो गया, एक तरफ परिवार रिफ्यूजी कैंप में और दूसरी तरफ परिवार के मुखिया का साया भी चला गया। मूलचंद की पत्नी द्रोपदी देवी लाहौर से मात्र 6 आने लेकर आई थीं। ऐसे में मूलचंद के बड़े बेटे मंगतराम अरोड़ा जो मात्र 12 वर्ष के थे और उनके भाई व विनय अरोड़ा के पिताजी यशपाल अरोड़ा जो 8 साल के थे, उन्होंने परिवार का जिम्मा उठाने की हिम्मत जुटाई। दोनों ट्रेन में ब्लेड और मुंगफली बेचने लगे और साथ ही थोड़ा बहुत सड़क के किनारे कपड़े भी बेच लेते थे।

रिफ्यूजियों को मिली टट्टर की दुकानें

कुछ समय बाद पाकिस्तान से आए रिफ्यूजियों को सिविल लाइंस में टट्टर की दुकानें दी गईं, जिससे वो अपना जीवन यापन कर पाए। यह जगह आज शहर की सबसे पॉश नवीन मार्केट है। यहां पर मंगतराम और यशपाल अरोड़ा ने चटाई, बास्केट इत्यादि सामान बनाकर बेचा और अपने परिवार का जीवन यापन शुरू किया। विनय अरोड़ा ने बताया कि उनके दादा पढ़े लिखे नहीं थे लेकिन इसके बावजूद यह चाहते थे कि परिवार ने सब पढ़ाई करे। उस टट्टर की दुकान से किसी तरह परिवार का पेट पलने लगा।

आज है करोड़ों का कारोबार

विनय अरोड़ा बताते है कि ताऊ मंगतराम अरोड़ा और पिता यशपाल अरोड़ा की मेहनत रंग लाई और धीरे-धीरे परिवार तरक्की करने लगा। जिस जगह पर टट्टर की एक दुकान थी उसी जगह पर आज परिवार के 6-7 शोरूम हैं, इसके अलावा शहर में बैंकेट हॉल और गेस्ट हाउस भी है। विनय अरोड़ा ने बताया कि त्रासदी ने सबको साथ रहने के संस्कार दिए और आज परिवार की पांचवी पीढ़ी चल रही है। इसके बावजूद सभी सदस्य संयुक्त परिवार में रहते हैं। आज सभी बड़ा कारोबार संभालते हैं, कई सदस्य नौकरी भी करते हैं लेकिन रहते सब साथ हैं। उन्होंने बताया कि आज भी पूरा परिवार त्यौहार एक साथ मनाता है। त्यौहार की पूजा भी एक ही जगह पर होती है। होली, दिवाली भी परिवार एक ही जगह तय करके साथ में मनाते हैं।

सुख दुख में किसी की जरूरत नहीं

विनय अरोड़ा बताते है कि अब ताऊ जी और पिताजी दोनों ही नहीं रहे लेकिन परिवार में एकता और प्यार आज भी है। उन्होंने बताया कि हमें सुख दुख के लिए किसी बाहर वाले की जरूरत ही नहीं पड़ती क्योंकि परिवार में ही इतने सदस्य हैं, विनय अरोड़ा मानते हैं कि संयुक्त परिवार आज भी सबसे बड़ी ताकत होती है। यही वो ताकत है जिसने आज 6 आने से शुरू करके कारोबार को करोड़ों रुपए तक पहुंचा दिया। बंटवारे की टीस आज भी है लेकिन एक संतोष भी है कि पूरे परिवार को साथ लेकर जीवन में तरक्की की। आज सब खुशहाल है, आबाद है।

अनिद्रा की शिकायत: नींद न आने से हैं परेशान? अपनाएं मिलिट्री का तरीका, आएगी चैन की नींद

अच्छी और गहरी नींद न आने के कारण कई तरह की बीमारियां होने का खतरा बढ़ जाता है।

बिगड़ी जीवनशैली के कारण लोगों में अनिद्रा की शिकायत बढ़ रही है। कई लोगों को देर रात तक नींद नहीं आती। रात में लोगों की नींद बार बार खुल जाती है और इस कारण उन्हें बेचैनी होती रहती है। अच्छी और गहरी नींद न आने के कारण कई तरह की बीमारियां होने का खतरा बढ़ जाता है। शारीरिक और मानसिक तौर पर लोग कमजोर होने लगते हैं। कम उम्र के लोगों से लेकर नौकरी पेशा लोग दिनभर के कामकाज के बाद भले ही थकान महसूस करते हैं लेकिन रात को जब बिस्तर पर सोने के लिए जाते हैं तो उनकी आंखों में नींद नहीं होती। हालांकि स्वस्थ रहने के कम से कम 8-9 घंटे की नींद लेनी चाहिए। लेकिन अगर नींद न आए तो सेना के जवानों के तरीके अपना सकते हैं। सैन्य मेथड को अपनाकर अनिद्रा की शिकायत से बचा जा सकता है।

चेहरा धो लें

सोने से पहले हर दिन ठंडे पानी से चेहरा धो लेना चाहिए। इससे आप रिलैक्स महसूस करते हैं। चेहरा धोकर बिस्तर पर लेटने के बाद आपको जल्द ही नींद आ जाती है। सैन्यकर्मी सोने से पहले फेस वॉश या नहाकर सोते हैं।

फोन रखें दूर

अक्सर लोग बिस्तर पर लेटे लेटे फोन का इस्तेमाल करते हैं, ऐसा करने से नींद नहीं आती। अच्छी और गहरी नींद के लिए सोने से आधे घंटे पहले अपने फोन से दूरी बना लें। मन शांत होने पर कुछ मिनट में ही नींद आ जाएगी।

पैरों को आराम दें

बिस्तर पर सीधा होकर लेटें। पैरों को अच्छे से फैलाएं ताकि उन्हें आराम मिले। शरीर को ढीला छोड़ दें। ऐसा करने से शरीर को आराम मिलता है और आपको कुछ देर में ही नींद आने लगती है।

भोजन

अध्ययन के मुताबिक, सोने से कम से कम तीन घंटे पहले भोजन करना चाहिए। ऐसा करने से भोजन पच जाता है और नींद बेहतर आती है। भोजन के तुरंत बाद बिस्तर पर लेटने से शरीर भारी महसूस होता है और खाना पच नहीं पाता। इस कारण अनिद्रा की शिकायत होने लगती है, साथ ही पेट की समस्या भी होती है।

व्यायाम

भोजन के बाद और सोने से पहले योग या शारीरिक सक्रियता के लिए पैदल चलना, हल्का व्यायाम करना भी लाभकारी है। इससे भोजन अच्छे से पच जाता है और बिस्तर पर जाते ही नींद आने लगती है।

जीवनसाथी से नहीं, शादी से पहले खुद से हर लड़की को पूछने चाहिए ये पांच सवाल

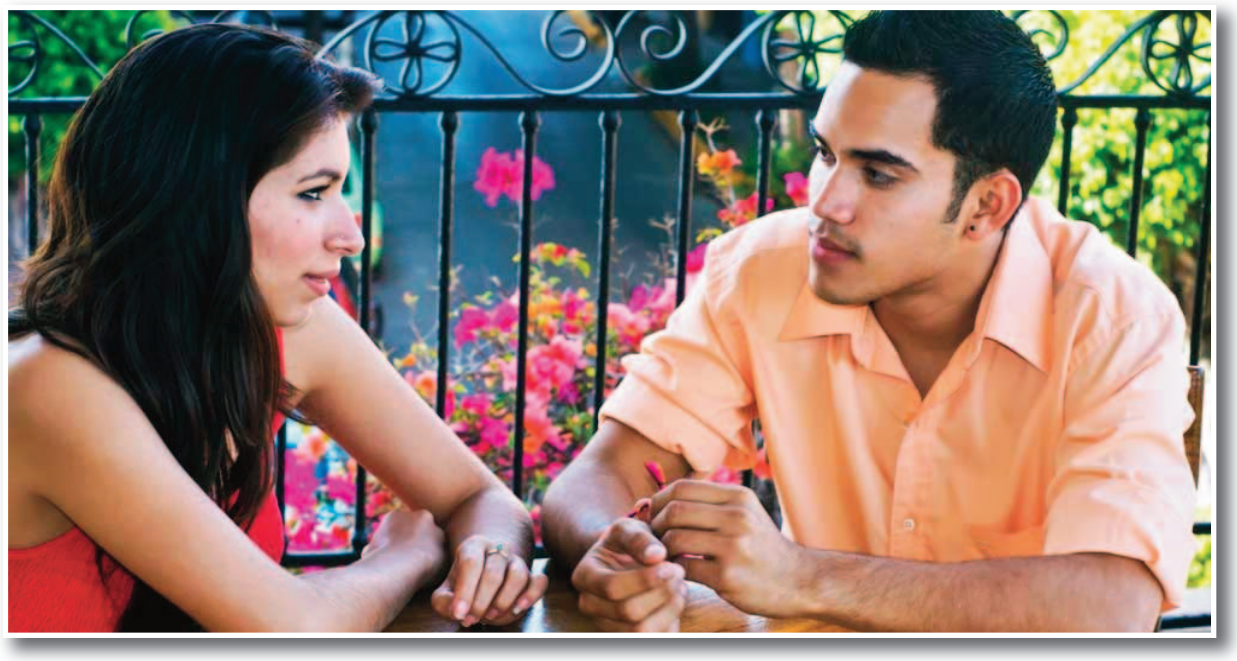

शादी हर लड़के या लड़की के जीवन का सबसे अहम दौर होता है। शादी से पहले और शादी के बाद के जीवन में बड़ा बदलाव होने की संभावना रहती है। ऐसे में हर व्यक्ति के लिए शादी करने का फैसला करना चुनौती की तरह है। शादी को लेकर मन में कई तरह के सवाल होते हैं। ये सवाल अपने भावी जीवनसाथी के लिए तो होते ही हैं, साथ ही खुद के लिए भी होते हैं। जैसे- क्या आप शादी के लिए तैयार हैं? क्या आप ने अपने लिए सही जीवनसाथी का चयन किया है? शादी से पहले लोग अपने जीवनसाथी, ससुराल वालों के बारे में जानना चाहते हैं ताकि भविष्य में उनका जीवन सहज बना रहे। इसलिए विवाह पूर्व ही कई सारे सवाल के उत्तर ले लेते हैं। लेकिन अपने जीवनसाथी या उसके परिवार या अन्य किसी से कोई भी सवाल करने से पहले हर लड़की को खुद से कुछ सवाल पूछने चाहिए। अगर आप की भी शादी होने वाली है, तो पहले अपने अंतर्मन से कुछ सवाल पूछ लें, ताकि भविष्य में कोई कठिनाई न आए और आपका वैवाहिक जीवन सुगम बना रहे।

जीवनभर साथ रह पाएंगे?

दुल्हन बनने से पहले लड़कियां खुद से सवाल करें कि जिस शख्स से आपकी शादी होने जा रही है क्या आप उनके साथ पूरा जीवन व्यतीत करना चाहती हैं? क्या आप उसे एक ऐसे करीबी के तौर पर देखती हैं, जिसके साथ उम्र की आखिरी सीमा तक रह सकती हैं?

कितना होगा बदलाव?

क्या मेरा जीवनसाथी मुझे किसी भी तरह से बदलने की इच्छा रखता है? क्या मेरे पार्टनर के प्रभाव में मैं शादी के बाद बदल सकती हूं? इस शादी से मेरे जीवन में कितना बदलाव आ सकता है?

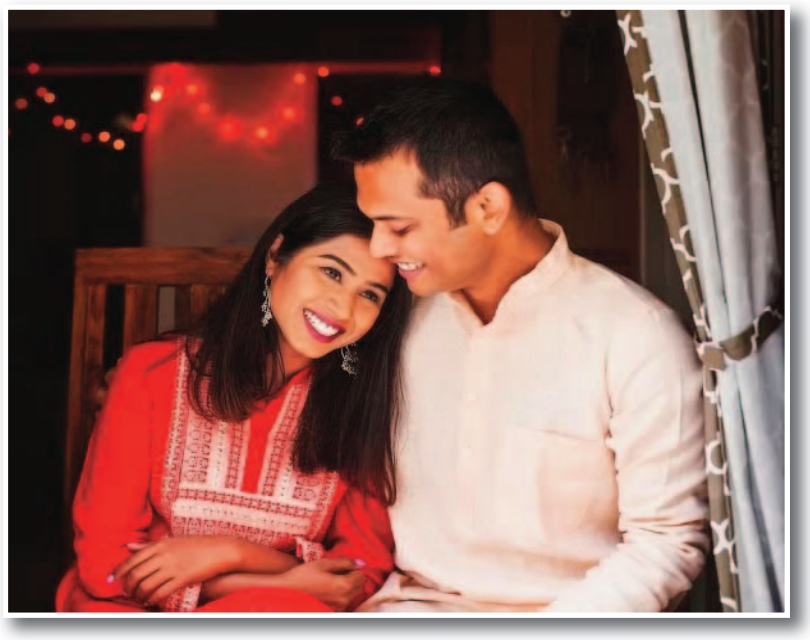

बच्चों को लेकर क्या योजना है?

शादी के बाद अपने परिवार को बनाने या बच्चों को लेकर मेरे पार्टनर के क्या विचार हैं? बच्चे को लेकर क्या मेरे विचारों से जीवनसाथी के विचार मेल खाते हैं?

आर्थिक स्थिति कैसी है?

शादी के बाद जरूरत पड़ने पर क्या हम दोनों एक दूसरे को वित्तीय सहायता दे सकते हैं? खुद से सवाल करें कि क्या आप और जीवनसाथी दोनों ही व्यक्तिगत तौर पर आर्थिक तौर पर सिक्योर हैं? पांच साल बाद खुद को कहां देखना चाहती हैं? क्या पांच साल बाद पार्टनर के साथ बेहतर भविष्य देख पा रही हैं?

परिवारों संग रिश्ता कैसा है?

क्या आप दोनों एक दूसरे के परिवार को पसंद करते हैं या उनका सम्मान करते हैं? क्या आप दोनों का परिवार भी एक दूसरे के साथ घुलमिल कर रह सकता है? शादी के बाद आपको पति के साथ रहना या ससुराल वाले भी साथ रहेंगे?

दही खाने का सही समय क्या है और सेहत के लिए यह कितना है फायदेमंद

दही पोषक तत्वों का खजाना है। यह कैल्शियम और फॉस्फोरस जैसे विटामिन्स से भरपूर होता है। इसके नियमित सेवन से पेट से जुड़ी समस्याओं से राहत पा सकते हैं। इसे खाने से हड्डियों और दांतों को भी मजबूती मिलती है लेकिन इतनी खूबियों से भरे दही खाने का एक उचित समय होता है। तो आइए जानते हैं दही खाने का सही समय क्या है।

दही सेहत के लिए बेहद फायदेमंद होता है। खासकर, पेट के लिए तो यह दवा समान है। इसके सेवन से पेट संबंधी विकारों का नाश होता है। आसान शब्दों में कहें तो कब्ज, दस्त, बदहजमी और अपच जैसी समस्या दूर होती है। साथ ही दही खाने से पाचन तंत्र भी मजबूत होता है। इसमें कई आवश्यक पोषक तत्व कैल्शियम, प्रोटीन, राइबोफ्लेविन, विटामिन B6 और विटामिन B12, गुड बैक्टीरिया पाए जाते हैं, जो विभिन्न प्रकार की बीमारियों में फायदेमंद होते हैं। इसके लिए डॉक्टर रोजाना दही खाने की सलाह देते हैं। लेकिन क्या आपको पता है कि दही खाने का सही समय क्या है और सेहत के लिए कितना फायदेमंद है ?

हेल्थ एक्सपर्ट्स की मानें तो दिन के समय में दही खाना सेहत के लिए फायदेमंद होता है। खासकर, दोपहर का समय अधिक लाभदायक है। इससे पाचन तंत्र सही से काम करता है। साथ ही खाना सही से पचता है। इसके अलावा, शरीर को ऊर्जा की भी प्राप्ति होती है। दही में प्रोबायोटिक्स पाए होते हैं, जो आंत के लिए फायदेमंद होते हैं। अगर रात के समय में दही खाते हैं, तो इससे रात की नींद में खलल पैदा होती है। साथ ही पाचन संबंधी विकार भी होते हैं। इसके लिए दोपहर के समय में दही खाएं।

कब न खाएं दही?

-खाली पेट दही का सेवन नहीं करें।

-रात में सोते समय स्नैक्स के साथ दही न खाएं।

-शाम के समय भी दही न खाएं।

दही के फायदे

दही पेट के लिए वरदान समान है। इसके सेवन से पेट से जुड़ी सभी परेशानियों से निजात मिलता है। कब्ज की समस्या दूर होती है। शरीर हायड्रेट रहता है। दही में कैल्शियम प्रचुर मात्रा में पाया जाता है। इससे शरीर की हड्डियां मजबूत होती हैं। प्रोटीन की मौजूदगी से शरीर को ऊर्जा की प्राप्ति होती है। इसके लिए रोजाना दोपहर के समय में दही जरूर खाएं।

आयुष्मान कार्ड से करवा सकते हैं मुफ्त इलाज, जानें कैसे बनवाएं ये कार्ड और फायदा भी जानें

भारत सरकार पात्र लोगों के आयुष्मान कार्ड बनाती है। अगर आप भी इस योजना के लिए पात्र हैं तो आप ये कार्ड बनवा सकते हैं।

क्या आप किसी सरकारी योजना से जुडे.हैं, अगर नहीं तो आप पात्र होने पर देश में चलने वाली उन योजनाओं से जुड़ सकते हैं जो चल रही हैं। अलग-अलग तरह की कई सारी योजनाएं देश में चल रही हैं और इन योजनाओं से एक बड़ी संख्या में लोग जुड़े हुए हैं। जैसे, एक योजना है प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत योजना जिसे भारत सरकार चलाती है। इस आयुष्मान भारत योजना से एक बड़ी संख्या में लोग जुड़े हैं और इस योजना का लाभ ले रहे हैं।

दरअसल, भारत सरकार आयुष्मान बारत योजना के तहत पात्र लोगों के पहले आयुष्मान कार्ड बनाती है और फिर इस कार्ड से आप मुफ्त इलाज करवा सकते हैं। पर क्या आप जानते हैं आप ये आयुष्मान कार्ड कैसे बनवा सकते हैं? शायद नहीं, तो आप यहां जान सकते हैं कि आप कैसे आयुष्मान कार्ड बनवा सकते हैं और इस कार्ड के जरिए आपको क्या लाभ मिलता है। तो चलिए जानते हैं इस बारे में। आप आगे इसके बारे में विस्तार से जान सकते हैं...

योजना में मिलने वाला लाभ

अगर आप आयुष्मान कार्ड बनवा लेते हैं तो आपको इसका फायदा ये मिलता है कि आप इस कार्ड से मुफ्त इलाज करवा सकते हैं। कार्डधारक को सालाना 5 लाख रुपये की लिमिट मिलती है यानी कार्डधारक साल भर में 5 लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज करवा सकते हैं जिसका खर्च सरकार उठाती है।

इन अस्पतालों में करवा सकते हैं इलाज

आपका अगर आयुष्मान कार्ड बन चुका है तो आप इस कार्ड से मुफ्त इलाज करवा सकते हैं। ये इलाज आप उन अस्पतालों में करवा सकते हैं जो अस्पताल इस योजना में पंजीकृत हैं। आपके शहर का जो भी अस्पताल इस योजना में रजिस्टर्ड है आप उसमें मुफ्त इलाज करवा सकते हैं जिसमें कई सरकारी और प्राइवेट अस्पताल शामिल हैं।

आयुष्मान कार्ड बनवाने का तरीका जान लें :-

स्टेप 1

आप अगर आयुष्मान कार्ड बनवाने के लिए पात्र हैं तो आप इस कार्ड को बनवा सकते हैं

इसके लिए आपको सबसे पहले अपने नजदीकी सीएससी सेंटर पर जाना होता है

यहां जाकर आपको संबंधित अधिकारी से मिलना है

फिर अधिकारी द्वारा आपकी पात्रता चेक की जाती है

स्टेप 2

अगर आप पात्र होते हैं तो इसके बाद आपके दस्तावेजों को वेरिफाई किया जाता है

फिर जब सबकुछ सही पाया जाता है तो आपका आवेदन कर दिया जाता है

अब कुछ समय बाद आपका आयुष्मान कार्ड बनकर आ जाता है

आप इस आयुष्मान कार्ड को डाउनलोड कर सकते हैं और मुफ्त इलाज का लाभ ले सकते हैं

मुकेश अंबानी ने लगातार दूसरी बार भी किया टॉप, अडानी पिछड़े, दूसरे नंबर पर बिरला

मुंबई, एजेंसी। देश के सबसे अमीर शख्स और रिलायंस इंडस्ट्रीज के मुखिया मुकेश अंबानी ने एक बार अपना जलवा बिखेरा है। ताजा जानकारी के मुताबिक लगातार दूसरे साल अरबपति मुकेश अंबानी के नेतृत्व वाले अंबानी परिवार ने संपत्ति के मामले में अपने सभी विरोधियों को पछाड़ दिया है।

मोस्ट वैल्यूएबल फैमिली बिजनेस की लिस्ट में मुकेश अंबानी पहले पायदान पर हैं। उसके बाद दूसरे नंबर पर बिरला परिवार का नाम है। मंगलवार को जारी एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। इस लिस्ट के मुताबिक मुकेश अंबानी के पास करीब 28 लाख करोड़ रुपये की संपत्ति है, जो अडानी परिवार की 14।01 लाख करोड़ रुपये की संपत्ति से दोगुनी से भी अधिक है।

2025 हुरुन इंडिया के सबसे मूल्यवान पारिवारिक व्यवसाय लिस्ट के अनुसार अंबानी ग्रुप ने लगातार दूसरे साल इस मुकाम को हासिल किया है। इस परिवार के पास 28 लाख करोड़ की संपत्ति है, जो भारत की जीडीपी का लगभग 12वां फीसदी है। रिलायंस इंडस्ट्री एनर्जी सेक्टर के साथ-साथ रिटेल और डिजिटल में भी अपने हाथ आजमाए हुए है। हुरुन द्वारा बार्कलेज के सहयोग से तैयार की गई रिपोर्ट के अनुसार, अंबानी परिवार की संपत्ति में पिछले वर्ष 10 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जिस वजह से अंबानी परिवार अपनी रैंकिंग बरकरार रख पाई, जबकि अडानी परिवार पहली पीढ़ी के उद्यमी द्वारा शुरू किया गया सबसे मूल्यवान पारिवारिक बिजनेस है।

वहीं, इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर कुमार मंगलम बिड़ला परिवार है। इस परिवार की संपत्ति पिछले साल 20 प्रतिशत बढ़कर 6।47 लाख करोड़ रुपये हो गई, जिससे वह बहु-पीढ़ी वाले परिवारों की सूची में एक स्थान ऊपर चढ़कर दूसरे स्थान पर पहुंच गया, जबकि जिंदल परिवार की संपत्ति भी 21 प्रतिशत बढ़कर 5।70 लाख करोड़ रुपये हो गई। बजाज परिवार की बात करें तो वह लिस्ट में एक स्थान नीचे खिसक गया है। वह चौथे स्थान पर आ गया। इस परिवार की संपत्ति 21 प्रतिशत घटकर 5।64 लाख करोड़ रुपये रह गई है।

2025 हुरुन इंडिया के सबसे मूल्यवान पारिवारिक व्यवसाय लिस्ट की रिपोर्ट में कहा गया है कि संपत्ति के लिहाज से देश के शीर्ष 300 परिवारों ने पिछले वर्ष प्रतिदिन 7,100 करोड़ रुपये की संपत्ति अर्जित की है। रिपोर्ट के अनुसार, 1 बिलियन अमेरिकी डॉलर (लगभग 8,700 करोड़ रुपये) से अधिक संपत्ति रखने वाले परिवारों की संख्या 37 बढ़कर अब 161 हो गई है। इसमें यह भी कहा गया कि लिस्ट में शामिल एक-चौथाई से अधिक बिजनेस एक्सचेंजों में लिस्टेड भी नहीं हैं। वहीं, इस लिस्ट में यह भी बताया गया कि मुंबई में सबसे अधिक 91 परिवार हैं, जिसके बाद राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में 62 तथा कोलकाता में 25 परिवार हैं।

इस लिस्ट के टॉप-10 में वेदांता के चेयरमैन अनिल अग्रवाल भी पहली बार शामिल हुए हैं। उनके परिवार के पास करीब 2.6 लाख करोड़ की संपत्ति है और लिस्ट में छह पायदान ऊपर चढकर 9वें नंबर पर आ गए हैं। इस लिस्ट में महिंद्रा परिवार को 5।4 लाख करोड़ की संपत्ति के साथ 5वां स्थान हासिल हुआ। वहीं, शिव नादर की फैमिली 4.7 लाख करोड़ के साथ लिस्ट में छठे नंबर पर हैं। चोलामंडलम इन्वेस्टमेंट एंड फाइनेंस के मालिक मुरुगप्पा का परिवार 2.9 लाख करोड़ के साथ 7वें नंबर है।

विप्रो के मालिक अजीम प्रेमजी के परिवार के पास 2.8 लाख करोड़ की संपत्ति है और लिस्ट में 8वें नंबर हैं। इसके बाद अनिल अग्रवाल का नंबर है। और लिस्ट के दसवें पायदान पर एशियन पेंट्स के को-फाउंडर्स 2.2 लाख करोड़ के साथ हैं। हुरुन इंडिया के मुख्य शोधकर्ता अनस रहमान जुनैद ने कहा कि दिलचस्प बात यह है कि निजी इक्विटी ने ऐसे व्यवसायों में अपने स्वामित्व का विस्तार किया है। उन्होंने टेमासेक द्वारा हल्दीराम में खरीद जैसे सौदों की ओर इशारा किया। उन्होंने आगे कहा कि पिछले वर्ष शीर्ष पारिवारिक व्यवसायों में से लगभग तीन-चौथाई की संपत्ति में वृद्धि देखी गई।

क्रिप्टो धोखाधड़ी मामले में डो क्वोन दोषी करार, 25 साल तक की हो सकती है सजा

नई दिल्ली, एजेंसी। दक्षिण कोरिया के पूर्व तकनीकी कार्यकारी और टेराफॉर्म लैब्स के प्रमुख डो क्वोन अमेरिका में धोखाधड़ी के 2 मामलों में दोषी करार दिए गए हैं। उन पर आरोप है कि उन्होंने 2022 में क्रिप्टोकरेंसी टेरा यूएसडी और लूना के पतन में अहम भूमिका निभाई, जिससे निवेशकों को 40 अरब डॉलर (लगभग 3,500 अरब रुपये) से अधिक का नुकसान हुआ। याचिका समझौते के तहत, अभियोजकों ने 12 साल से अधिक की सजा की मांग न करने पर सहमति दी है।

डो क्वोन सिंगापुर स्थित टेराफॉर्म लैब्स के प्रमुख थे, जो टेरा यूएसडी और लूना नाम की क्रिप्टोकरेंसी चलाती थी। इन दोनों डिजिटल मुद्राओं के 2022 में क्रैश होने से क्रिप्टो बाजार में भारी गिरावट आई। गिरफ्तारी वारंट जारी होने के बाद वे दक्षिण कोरिया भाग गए और बाद में मोंटेनेग्रो में गिरफ्तार हुए, जहां से उन्हें अमेरिका प्रत्यर्पित किया गया। न्यूयॉर्क की एक अदालत में लंबे कानूनी संघर्ष के बाद उन्होंने अपनी गलती स्वीकार की।

अभियोजकों का कहना है कि क्वोन ने टेरा यूएसडी की स्थिरता के बारे में झूठे दावे किए और 2021 में एक ट्रेडिंग फर्म से गुप्त रूप से टोकन खरीदने की व्यवस्था की। उन्होंने निवेशकों को बताया कि यह प्रक्रिया एक कंप्यूटर एल्गोरिथ्म द्वारा संचालित थी, जबकि वास्तविकता अलग थी। इन गलत बयानों से निवेशकों ने भारी निवेश किया, जिससे लूना टोकन के मूल्य में कृत्रिम बढ़ोतरी हुई। अगले वर्ष दोनों मुद्राएं धराशायी हो गईं।

डो क्वोन को 1।93 करोड़ डॉलर (लगभग 170 करोड़ रुपये), ब्याज और कई संपत्तियां जब्त करनी होंगी, साथ ही मुआवजा भी देना होगा। मूल अभियोग में उन्हें दोषी पाए जाने पर 135 साल की जेल हो सकती थी।

ईरान ने इराक के साथ कौन सी डील कर ली है, जिससे अमेरिका को लगी मिर्ची

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और इराक के रिश्ते सहयोग और तनाव के जटिल मेल से बने हैं। और अब दोनों देशों के बीच तनाव की वजह बना है ईरान। दरअसल ईरान और इराक ने मिलकर एक रक्षा समझौता किया है। मगर दोनों देशा का ये कदम अमेरिका को खटक गया है।

ईरान और इराक ने ये डील बीते 11 अगस्त को की है जिसका मकसद है 1400 किलोमीटर लंबी साझा सीमा पर मिलकर सुरक्षा कार्रवाई को मजबूत करना। ये समझौता बगदाद में इराक के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार कासिम अल आराजी और ईरान की सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के महासचिव अली लारिजानी की मौजूदगी में हुआ। इस दौरान इराक के प्रधानमंत्री मोहम्मद शिया अल सुदानी भी मौजूद थे।

BBC की एक खबर के मुताबिक ये नया समझौता मार्च 2023 के उस करार पर आधारित है जिसके तहत ईरान और इराकी कुर्दिस्तान ने सीमा नियंत्रण कड़ा करने पर सहमति दी थी। सितंबर 2022 में महसा अमीनी की हिरासत में मौत के बाद ईरान में बड़े प्रदर्शन हुए और तनाव बढ़ा।

The New Arab की एक खबर के मुताबिक हाल ही में इराकी कुर्द प्रशासन ने ईरानी कुर्द विपक्षी समूहों पर दबाव डालकर उनके लड़ाकों को हथियार छोड़कर शहरों में बने कैंपों में जाने को मजबूर किया, हालांकि कुछ ने ईरान लौटकर IRGC के खिलाफ गुरिल्ला लड़ाई जारी रखने का फैसला किया। ईरान का आरोप है कि ये समूह अशांति फैलाते हैं और मोसाद से जुड़े हैं, जबकि वे इसे नकारते हैं। ईरान को डर है कि अमेरिका या इजराइल से तनाव बढ़ने पर कुर्द लड़ाके सीमा पार घुसपैठ कर सकते हैं, इसी कारण ये नया सुरक्षा समझौता किया गया है।

अमेरिका को ये डील क्यों खटक रही है?

अमेरिका को ईरान-इराक की ये डील खटक रही है। इसके पीछे कुछ वजहें हैं।

1- अमेरिका को लगता है कि ईरान का असर इराक में और बढ़ जाएगा। अमेरिका चाहता है कि इराक में उसकी पकड़ बनी रहे और वहां के सुरक्षा ढांचे में ईरान समर्थित मिलिशिया जैसे कताइब, हिजबुल्लाह, हरकत अल नुजबा का दखल कम हो। सीधे शब्दों में कहे तो अमेरिका को इस डील में अपना फायदा नहीं दिख रहा।

2- असल में, अमेरिका की चिंता ये है कि ये ईरान-समर्थित ग्रुप्स के पास मीडियम-रेंज मिसाइल और ड्रोन जैसे हथियार हैं, जो इजराइल और अमेरिकी ठिकानों पर हमला करने की क्षमता रखते हैं। वॉशिंगटन को डर है कि अगर इन ग्रुप्स को रोका नहीं गया, तो वे कभी भी हालात बिगाड़ सकते हैं।

3- इसके अलावा, अमेरिका चाहता है कि पीएमएफ (Popular Mobilisation Forces) के कुछ हिस्सों को खत्म किया जाए या सरकारी कंट्रोल में लाया जाए। और जिन इलाकों पर मिलिशिया ने कब्ज़ा कर रखा है, वो भी सरकार को वापस मिले। पीएमएफ ईरान समर्थित एक अर्धसैनिक छत्र संगठन है जो इराक में कार्यरत है। अमेरिका को लगता है कि अगर ये नहीं हुआ इज़राइल एयरस्ट्राइक कर सकता है, जिससे पूरा इलाका अस्थिर हो जाएगा।

झूठ बोल रहा है अमेरिका का दोस्त...दक्षिण कोरिया पर किम जोंग उन की बहन फायर

सियोल, एजेंसी। उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन की बहन किम यो जोंग ने अमेरिका और उसके सहयोगी साउथ कोरिया पर सख्त टिप्पणी की है। प्योंगयांग में पत्रकारों से बात करते हुए किम यो जोंग ने कहा कि अमेरिका और उसका दोस्त दक्षिण कोरिया लाउड स्पीकर को लेकर झूठ बोल रहा है।

दरअसल, साउथ कोरिया के आर्मी चीफ ने एक दिन पहले दावा किया था कि उत्तर कोरिया सीमा से लाउड स्पीकर हटा रहा है। किम की सेना लाउड स्पीकर का इस्तेमाल दक्षिण कोरिया के खिलाफ माहौल बनाने के लिए करता है।

शांति प्रस्ताव का मजाक उड़ाया

किम जोंग की बहन ने उत्तर कोरिया के शांति प्रस्ताव का मजाक उड़ाया। उन्होंने कहा कि दक्षिण कोरिया से बात करने में हमारी कोई रुचि नहीं है। किम यो जोंग के मुताबिक उत्तर कोरिया का बातचीत अब सीधे अमेरिका से होगी। वो भी तब, जब अमेरिका उसे परमाणु शक्ति के रूप में मान्यता दे। किम यो जोंग ने आगे कहा कि दक्षिण कोरिया की सरकार शांति समझौते के नाम पर लोगों को गुमराह कर रही है। हम लोगों से कहना चाहेंगे कि दक्षिण कोरिया से हमारी कोई बातचीत नहीं होने वाली है।

किम की बहन ने यह टिप्पणी क्यों की?

ली जे म्युंग जब से दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति नियुक्त हुए हैं, तब से उत्तर कोरिया से संबंध सुधारने की कवायद में जुटे हैं। म्युंग की कोशिश रिश्तों को सामान्य बनाने की है। इसके लिए वे लगातार नए-नए प्रयोग कर रहे हैं। दक्षिण कोरिया ने हाल ही में बॉर्डर इलाके से लाउड स्पीकर हटाना शुरू किया है। इस लाउड स्पीकर पर किम के खिलाफ बयान प्रसारित किए जा रहे थे। वहीं उत्तर कोरिया का कहना है कि हम बात सीधे अमेरिका से करेंगे। उत्तर कोरिया के पास 50 परमाणु हथियार है। अमेरिका का कहना है कि वे इन हथियारों को पहले खत्म कर लें। वहीं नॉर्थ कोरिया का कहना है कि किसी भी कीमत पर वे इसे खत्म नहीं करेंगे। इस टकराव में किम जोंग उन की बहन ने जिस तरीके से बयान दिया है, उसे काफी अहम माना जा रहा है।

वॉरंट देने गए पुलिसवालों पर ही फायरिंग, अमेरिका के वर्जीनिया में घंटों तक मचा तांडव

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राज्य वर्जीनिया के पिट्सल्वेनिया काउंटी में हुई गोलीबारी की एक गंभीर घटना ने पूरे इलाके को हिला दिया है। इस गोलीबारी में कई पुलिस अधिकारी घायल हो गए हैं। घटनास्थल से सामने आई तस्वीरों और वीडियो में बड़ी संख्या में पुलिस और इमरजेंसी सर्विस के वाहन दिखाई दे रहे हैं। माहौल बेहद तनावपूर्ण है, और सुरक्षा एजेंसियां मौके पर मौजूद हैं।

पिट्सल्वेनिया काउंटी, वर्जीनिया के दक्षिणी हिस्से में है, जो उत्तरी कैरोलाइना की सीमा के पास स्थित है और रैले शहर से करीब 158 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में है। घटना से जुड़ी और जानकारी आने का इंतज़ार है।

संदिग्ध शूटर ने चलाई गोली

अमेरिकी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, बुधवार को वर्जीनिया में एक संदिग्ध शूटर ने कई डिप्टी अधिकारियों पर गोली चला दी। इस घटना में कम से कम तीन लोगों के घायल होने की खबर है। गोलीबारी के बाद इमरजेंसी टीमों की वायरलेस बातचीत से पता चला कि अधिकारी पिट्सल्वेनिया काउंटी के पिट्सविल इलाके में एक घर के पास इकट्ठा हुए थे।

वॉरंट देने गए पुलिस पर हुआ हमला

डेली मेल की रिपोर्ट के अनुसार, संदिग्ध शूटर बाद में अपने घर के अंदर छिप गया। अधिकारियों ने लाउडस्पीकर का इस्तेमाल करते हुए उस व्यक्ति से बाहर आने की अपील भी की। वर्जीनिया स्टेट पुलिस के अधिकारियों ने WSET को बताया कि वे उस पते पर वारंट देने पहुंचे थे, लेकिन हालात बिगड़ गए और मामला गोलीबारी तक पहुँच गया।

वर्जिनिया के प्रतिनिधि का बयान

अमेरिकी कांग्रेस सदस्य जॉन मैग्वायर, जो वर्जीनिया के 5वें कांग्रेसनल डिस्ट्रिक्ट का प्रतिनिधित्व करते हैं, ने सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म X पर बताया कि पिट्सल्वेनिया काउंटी में डिप्टी अधिकारियों पर गोली चलाई गई है। उन्होंने घायलों और उनके परिवारों के लिए अपनी संवेदनाएँ और प्रार्थनाएँ व्यक्त कीं।

आरएसएस के मुखपत्र ऑर्गेनाइजर में अमेरिका पर सीधा निशाना, लिखा- लोकतंत्र के नाम पर फैला रहा तानाशाही और आतंकवाद

वॉशिंगटन, एजेंसी। भारत और अमेरिका के बीच इन दिनों चल रहा टैरिफ विवाद किसी से छिपा नहीं है। इसको लेकर सबकी अपनी-अपनी राय है। कोई ट्रंप के इस फैसले को तानाशाही तो कोई इसे गलत बता रहा है। इस बीच पूरे मामले पर अब RSS के मुखपत्र ऑर्गेनाइजर में अमेरिका पर निशाना साधा गया है। इस आर्टिकल में लिखा कि डोनाल्ड ट्रंप लोकतंत्र के नाम पर तानाशाही और आतंकवाद फैला रहे हैं।

ऑर्गेनाइजर में अमेरिका पर निशाना साधते हुए कहा गया कि स्वतंत्रता और लोकतंत्र के मसीहा होने का दिखावा करते हुए अमेरिका विश्व में आतंकवाद और तानाशाही को बढ़ावा दे रहा है। व्यापार युद्ध और टैरिफ संप्रभुता में हस्तक्षेप और उसे कमजोर करने के नए हथियार बन गए हैं।

ऑर्गेनाइजर ने नव-औपनिवेशकों और उनके स्वार्थी घरेलू एजेंटों द्वारा भारत के सांस्कृतिक पुनर्जागरण को दबाने की सुनियोजित कोशिश की आलोचना की। संयुक्त राष्ट्र और विश्व व्यापार संगठन जैसे अंतरराष्ट्रीय संस्थान अप्रासंगिक और अक्षम साबित हो रहे हैं। अल्पकालिक राजनीतिक लाभ के लिए भारत के भीतर कुछ लोग नव-औपनिवेशकों के एजेंट के रूप में कार्य कर रहे हैं।

आतंकवाद और तानाशाही को बढ़ावा दे रहा अमेरिका

अपने संपादकीय में कहा गया है कि लोकतंत्र और आजादी के मसीहा होने का मुखौटा पहनकर अमेरिका दुनिया में आतंकवाद और तानाशाही को बढ़ावा दे रहा है। ऑर्गनाइजर के मुताबिक, व्यापार युद्ध और टैरिफ जैसे हथियार अब संप्रभु देशों की स्वतंत्रता में दखल देने और उन्हें कमजोर करने के नए औजार बन चुके हैं। संपादकीय में संयुक्त राष्ट्र (UN) और विश्व व्यापार संगठन (WTO) को अप्रासंगिक और अक्षम करार दिया गया।

भारत की ओर उम्मीद से देख रही दुनिया

ऑर्गेनाइजर ने कहा कि भारत के भीतर भी कुछ राजनीतिक खिलाड़ी नव-औपनिवेशकों के एजेंट बनकर देश के सांस्कृतिक पुनर्जागरण को कुचलने की कोशिश कर रहे हैं। संपादकीय में कहा गया कि आर्थिक अनिश्चितता, सैन्य टकराव, तकनीकी एकाधिकार और पर्यावरणीय संकट से जूझ रही दुनिया अब भारत की ओर उम्मीद से देख रही है। इसके लिए भारतीय मूल्यों पर आधारित सतत, न्यायपूर्ण और समावेशी मॉडल को ही समाधान बताया गया है।

दुनिया एक फिर अस्थिरता के दौर में

ऑर्गनाइजर का कहना है कि दूसरे विश्व युद्ध के बाद जिस व्यवस्था को उदारवादी विश्व व्यवस्था की स्थायी जीत समझा गया था अब वो टूट रही है। दुनिया एक बार फिर अस्थिरता, संघर्ष और अराजकता की ओर बढ़ रही है। ऑर्गनाइजर ने कहा है कि एकध्रुवीय विश्व व्यवस्था पतन की ओर है, जिसमें संघर्ष, प्रतिबंध और संस्थागत गिरावट आई है। संघ के मुखपत्र में कहा गया है कि वसुधैव कुटुम्बकम के सिद्धांत को वैश्विक शांति की कुंजी बताते हुए RSS मुखपत्र ने स्वधर्म, स्वदेशी और स्वराज की भावना को पुनर्जीवित करने का आह्वान किया है।

कांग्रेस की बड़ी मांग- रद्द हो 2024 लोकसभा चुनाव, कहा- चुनाव आयोग हमें दे वाराणसी की वोटर लिस्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस की तरफ से वोट चोरी को लेकर चुनाव आयोग पर पिछले कई दिनों से आरोप लगाए जा रहे हैं। इन आरोपों पर चुनाव आयोग चुप्पी साधे है, तो वहीं बीजेपी लगातार कांग्रेस पर पलटवार करती नजर आ रही है। इस बीच कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने साल 2024 के लोकसभा चुनावों को लेकर चुनाव आयोग से सवाल किया कि जब इतनी गड़बड़ियां सामने आईं हैं तो हम चुनाव आयोग से पूछते हैं कि, क्या 2024 के चुनाव रद्द करेंगे क्या? इसके साथ ही चुनाव आयोग वाराणसी की वोटर लिस्ट कांग्रेस को देने की बात कही है।

पवन खेड़ा ने चुनाव आयोग पर चुनाव में धांधली के आरोप लगाए हैं, उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग कई कई चेहरे लगा रहा है। नाम एक हैं तो वहीं चेहरे अनेक हैं। उन्होंने कहा कि 7 अगस्त को राहुल गांधी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की और भारत की राजनीति में भूचाल आ गया। इसके कारण ही सत्ता में बैठी सरकार घबरा रही है।

चुनाव आयोग की भूमिका गंभीर

पवन खेड़ा ने कहा कि अनुराग ठाकुर की प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद चुनाव आयोग की भूमिका गंभीर हो जाती है। अनुराग ठाकुर की प्रेस कांफ्रेंस में 6 और फर्जी वोटर का खुलासा किया गया। बीजेपी की अचानक रुचि फेक वोटर मे आ गई है।

उन्होंने कहा कि राहुल गांधी जब प्रेस कॉन्फ्रेंस कर रहे थे तो तुरंत नोटिस आ गया। लेकिन, अनुराग ठाकुर को प्रेस कॉन्फ्रेंस करे हुए 24 घंटे हो गए हैं। इसके बाद भी उन्हें कोई नोटिस नहीं दिया गया? अनुराग ठाकुर को 6 लोकसभा में गड़बड़ी के आंकड़े छह दिन में मिल गए। हमे छह महीने लगे इन्हें छह दिन में कैसे मिले? चुनाव आयोग जवाब दे। अनुराग ठाकुर ने जो सबूत दिए वो एक आपराधिक मामला है।

वाराणसी की वोटर लिस्ट हमें दे चुनाव आयोग

पवन खेड़ा ने मांग की है कि हमारी मांग है कि तुरंत वह आंकड़े हमें दे दिए जाए। उन्होंने कहा कि विपक्ष को आंकड़े नहीं दिए जाएंगे लेकिन बीजेपी को मिल जाएंगे। वायनाड लोकसभा सीट पर प्रियंका गांधी 4 लाख 93 हज़ार वोट से जीती हैं। झूठ बोलने से पहले सोचते क्यों नहीं है ? अगर वहां फर्जी वोट नहीं होते तो पांच लाख वोट से जीतती। कांग्रेस ने बड़ी मांग करते हुए कहा कि वाराणसी का वोटर लिस्ट चुनाव आयोग हमें दे। प्रधानमंत्री केवल एक लाख से वोट जीते हैं। इस चुनाव में धांधली की गई है।

बीजेपी पर हमलावर हुई कांग्रेस

वोट चोरी और वोटर लिस्ट में गड़बड़ी को लेकर कांग्रेस हमलावर है। इस मुद्दे पर कांग्रेस बीजेपी और चुनाव आयोग को घेरने का कोई भी मौका नहीं छोड़ रही है। बीते दिनों राहुल गांधी ने एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए भी चुनाव आयोग पर हमला बोला था। इसमें उन्होंने कहा था कि चुनाव आयोग का धन्यवाद जिसने मृत लोगों के साथ चाय पीने का मौका दिया। वोटर लिस्ट में गड़बड़ी को लेकर राहुल गांधी ने कहा था कि इसी गड़बड़ी के कारण ही बीजेपी चुनाव जीतती आ रही है।

भारत विभाजन की पीड़ा को समझना जरूरी : प्रो .संजय द्विवेदी

भोपाल। भारत विभाजन की विभीषिका भारतीय आजादी का एक ऐसा बदरंग पन्ना है, जिसकी पीड़ा को देशवासी कभी नहीं भूल पाएंगे । यह लम्हों की नहीं ,सदियों की खता थी, जिसकी पीड़ा और टीस दिलों में आज तक है जो बरबस याद आती रहती है। इस आशय के विचार दो दिवसीय आजादी के पर्व, विभाजन की विभीषिका स्मृति दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में अतिथियों ने व्यक्त किये। कार्यक्रम के आरंभ में भारतीय जनसंचार संस्थान (आईआईएमसी) के पूर्व महानिदेशक और माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय के प्रोफेसर संजय द्विवेदी और जनसंपर्क विभाग के पूर्व संचालक श्री लाजपत आहूजा ने उक्त कार्यक्रम में मुख्य रूप से अपने उद्गार व्यक्त किये। श्री आहूजा ने कहा कि विभाजन की पीड़ा का दर्द क्योंकि मेरे परिवार ने सहा है अतः इस वेदना को में करीब से जानता हूं। संगोष्ठी को संबोधित करते हुए प्रोफेसर संजय द्विवेदी ने कहा कि 1947 में बंटवारे

के बाद भी हम रक्तपात रोक नहीं पाए। इसलिए भारत विभाजन की पीड़ा को समझना जरूरी है, ताकि ऐसी घटनाएं दुहराई न जाएं। हमें अपने इतिहास की पूरी समझ होना जरूरी है, इससे ही हम जान पाएंगे कि हम किन रास्तों से होते हुए वर्तमान स्थिति तक पहुंचे हैं और भविष्य में हमें कहां जाना है? प्रोफेसर द्विवेदी ने कहा कि स्वतंत्रता की लड़ाई के दौरान भी हमारे बीच कहीं न कहीं मतभेद मौजूद थे, जिन्हें अंग्रेजों ने इस्तेमाल किया। हमें अपनी कमियों की तरफ देखना पड़ेगा और अपनी जिम्मेदारियां निभानी होगी। उन्होंने कहा कि हम सतर्क होते तो बंटवारा नहीं होता। बंटवारे के बावजूद देश को सांप्रदायिक दंगों के रूप में रक्तपात देखना पड़ा। उन्होंने कहा कि भारत बोध और राष्ट्रीय भावनाओं से भरे युवा ही देश की एकता और अखंडता को सुरक्षित रख पाएंगे। संगोष्ठी को संबोधित करते हुए जनसंपर्क के पूर्व संचालक श्री लाजपत आहूजा ने कहा कि केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार ने विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस की घोषणा करके इस त्रासदी के पीड़ितों को अपना दर्द दूसरों के साथ बाटने का मौका दिया है। बंटवारे के दौरान हुए घटनाक्रम से आने वाली पीढ़ियां सबक ले सकती हैं। श्री आहूजा ने कहा कि अपने ही देश के लोगों को बंटवारे के बाद शरणार्थी कहा गया। उन्होंने विभाजन के दौरान हुए अत्याचारों, खासतौर से महिलाओं और युवतियों के साथ हुई हुई दुष्कर्म की घटनाओं का उल्लेख किया और कहां किसी त्रासदी के पीड़ितों को न्याय नहीं मिल पाया।

बागी 4 से तमाम सितारों की पहली झलक आई सामने, संजय दत्त का दिखा खूंखार अवतार

अभिनेता टाइगर श्रॉफ जल्द ही फिल्म बागी 4 में नजर आएंगे, जिसके निर्देशन की कमान ए हर्ष ने संभाली है। उन्हें भजरंगी और वेधा जैसी कन्नड़ फिल्मों के लिए जाना जाता है, वहीं साजिद नाडियाडवाला इस फिल्म के निर्माता हैं। बागी 4 में टाइगर के अलावा संजय दत्त, हरनाज संधू और सोनम बावजा जैसे कलाकार भी मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। अब बागी 4 से तमाम सितारों की पहली झलक सामने आ गई है।

सामने आए पोस्टर में संजय का खूंखार अवतार दिख रहा है, वहीं टाइगर भी खून से लथपथ नजर दिख रहे हैं। नशे में धुत्त वह एक्शन मोड में नजर आए। इसके अलावा हरनाज और सोनम पर का भी धांसू अवतार दिख रहा है। बागी 4 का ट्रेलर पहले ही रिलीज हो चुका है, जिसमें टाइगर और संजय के बीच जबरदस्त भिड़ंत देखने को मिली। बता दें कि बागी 4 को 5 सितंबर, 2025 में सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा।

कन्नड़ स्टार हर्ष की निर्देशित बागी 4 एक बिल्कुल नए दमदार एक्शन सीन, हिंसा और गुस्से से सराबोर रोमांस का वादा करती है। कन्नड़ स्टार हर्ष अपनी काइनेटिक कोरियोग्राफी और भजरंगी जैसी एक्शन फिल्मों के लिए जाने जाते हैं।

टाइगर श्रॉफ अब तक के अपने सबसे क्रूर अवतार में रॉनी के रूप में लौट रहे हैं। यह बदले की आग से भरा है, हथियारों से लैस है, और ऐसा क्रोध है कि दुश्मन की सांस रोक दें। 1 मिनट और 49 सेकंड के टीजर में टाइगर श्रॉफ, संजय दत्त, सोनम बाजवा और हरनाज संधू हिंसक अवतार में नजर आए हैं। उनके साथ हरनाज संधू और सोनम बाजवा भी हैं, जो एक ऐसे किरदार में हैं जिसे आपने कभी नहीं देखा है।

टाइगर श्रॉफ अभिनीत इस फिल्म को सेंसर बोर्ड से ए सर्टिफिकेट मिला है, क्योंकि इसमें खून-खराबा और हिंसा का तड़का लगा है। फिल्म के टीजर में काफी खून-खराबा दिखाया गया है। वही, एक सीन में संजय का किरदार कटे हुए हाथ से सिगार जलाता है। टीजर में संजय दत्त का किरदार रोंगटे खड़े कर देने वाला है। उनकी स्क्रीन उपस्थिति जबरदस्त है, और उनका पागलपन काफी हिंसक है।

परम सुंदरी का ट्रेलर जारी, सिद्धार्थ मल्होत्रा और जाहनवी कपूर की जोड़ी ने जीता दिल

बॉलीवुड स्टार सिद्धार्थ मल्होत्रा और जाह्नवी कपूर की अपनी आगामी रोमांटिक फिल्म परम सुंदरी के साथ सिनेमाघरों में धमाल मचाने के लिए तैयार हैं।परदेसिया और भीगी साड़ी जैसे दो चार्टबस्टर गानों से धूम मचाने के बाद, परम सुंदरी के मेकर्स ने फिल्म का ट्रेलर रिलीज किया है। दर्शक इस जोड़ी की केमिस्ट्री से पहले से ही वाकिफ हैं और अब, ट्रेलर उनकी नॉर्थ साउथ वाली लव स्टोरी में और भी तड़का लगा रहा है।

मैडॉक फिल्म्स ने परम सुंदरी का ट्रेलर जारी किया है। मेकर्स ने इसे सोशल मीडिया हैंडल पर भी साझा किया है। इसे साझा करते हुए मेकर्स ने इसके बारे में कैप्शन में लिखा है, दिल्ली का मुंडा परम, सुंदरी के गॉड्स ओन कंट्री में पंजाबियों का स्वैग और सियापा लेकर आ रहा है। साल की सबसे बड़ी लव स्टोरी परम सुंदरी। दिनेश विजन द्वारा प्रस्तुत, तुषार जलोटा की निर्देशित, 29 अगस्त को सिनेमाघरों में।

परम सुंदरी का ट्रेलर परम (सिद्धार्थ) और सुंदरी (जाह्नवी) के एक चर्च में रोमांटिक पलों से शुरू होता है। इसके बाद दोनों किरदारों का परिचय कराया जाता है। उत्तर भारत से आया परम, केरल आता है और सुंदरी और उसके परिवार की एक प्रॉपर्टी में रहता है। धीरे-धीरे दोनों के बीच प्यार हो जाता है। इस बीच परम शाहरुख का एक डॉयलॉग बोलते हैं, हार कर जीतने वाले को बाजीगर कहते हैं।

2 मिनट 40 सेकंड के ट्रेलर में यह दिखा गया है कि फिल्म में एक समय ऐसा भी आएगा, सुंदरी परम पर धोखा देने का आरोप लगाती है। उनके बीच का झगड़ा अभी तक उजागर नहीं हुआ है। जाह्नवी की कॉमिक टाइमिंग और उनके मोहिनीअट्टम सीक्वेंस, सभी को मंत्रमुग्ध कर देते हैं।ट्रेलर के अंत में, जाह्नवी रजनीकांत, अल्लू अर्जुन, यश और मोहनलाल की नकल करके सिद्धार्थ और मनजोत सिंह को तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम के बीच का अंतर समझाती हैं।

परम सुंदरी के ट्रेलर पर सिद्धार्थ मल्होत्रा की स्टार वाइफ कियारा आडवाणी और जाह्नवी कपूर के रूमर्ड बॉयफ्रेंड वीर पहाड़िया का रिएक्शन भी आया है। कियारा ने फिल्म का ट्रेलर अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर शेयर करते हुए लिखा है, कलरफुल, फन, मस्ती से भरपूर। परम तुम जादूगर हो और सुंदरी तुम क्यूटी हो। मैं 29 अगस्त का इंतजार नहीं कर सकती।

वहीं, वीर पहाड़िया ने भी अपने इंस्टाग्राम स्टोरी फिल्म का ट्रेलर अपलोड कर ट्रेलर की तारीफ की है। वीर ने अपने पोस्ट में लिखा है, ब्लॉकबस्टर ट्रेलर और साउंडट्रैक। जाह्नवी, मैडॉक फिल्म्स की टीम को ऑल द बेस्ट।

परम सुंदरी एक शानदार लवस्टोरी है जो एक नॉर्थ इंडियन लड़के और एक साउथ इंडियन लड़की के बीच अलग-अलग संस्कृतियों के बीच के प्यार को दर्शाती है। मैडॉक फिल्म्स की निर्मित यह फिल्म 29 अगस्त को रिलीज होगी।

शक एक शैतान है, महेश बाबू की नई फिल्म राव बहादुर से फर्स्ट लुक पोस्टर जारी, शाही अवतार में दिखे सत्यदेव

राव बहादुर के पहले लुक में सत्यदेव को एक दमदार और अलग अंदाज में दिखाया गया है। महेश बाबू की पेशकश फिल्म के निर्देशक हैं वेंकटेश माहा, और यह एक नया और बिल्कुल अनोखा कॉन्सेप्ट लेकर आ रही है। यह फिल्म जीएमबी एंटरटेनमेंट, ए+एस मूवीज, स्त्रीचक्रा एंटरटेनमेंट्स और महायना मोशन पिक्चर्स के सहयोग से बनी है।

कल ही दर्शकों को एक बड़ा सरप्राइज मिला था, जिसने उन्हें आज की बड़ी खबर का इंतजार कराया। अब वह दिन आ गया है और मेकर्स ने एक जबरदस्त फर्स्ट लुक पोस्टर के साथ फिल्म का नाम भी बताया है। महेश बाबू और वेंकटेश माहा की फिल्म राव बहादुर का यह पोस्टर सत्यदेव की पहली बार देखी गई अलग और दमदार तस्वीर दिखाता है, जिसमें कई ऐसे खास पहलू हैं जो सबको उत्साहित कर देंगे। फिल्म का टैगलाइन है शक एक शैतान है

राव बहादुर का पहला पोस्टर सच में कुछ अलग है, जो दर्शकों ने काफी समय से नहीं देखा। इसमें सत्यम देव को एक शानदार और खास पोशाक में दिखाया गया है, जो पूरी तरह शाही लगती है। पोस्टर में मोर के पंख, बेल और छोटे-छोटे आकार भी शामिल हैं। यह तस्वीर भव्यता, थोड़ी टूटी-फूटी हालत और अंदर की उलझन दिखाती है, जो एक अनोखे और दमदार फिल्मी अनुभव का संकेत देती है।

जैसे कि सत्यम देव फिल्म में अपने जबरदस्त ट्रांसफॉर्मेशन में नजर आ रहे हैं। उन्होंने अपने रोल के बारे में बात करते हुए कहा है, एक अभिनेता के तौर पर, आप ऐसी फिल्म का सपना देखते हैं जैसे राव बहादुर जो बड़ी, चुनौतीपूर्ण और यादगार हो।

उन्होंने आगे कहा, हर सुबह 5 घंटे मेकअप में बिताने से मुझे अपनी पूरी तरह से इस किरदार में खो जाने का मौका मिला, जब शूटिंग शुरू हुई, तब मैं सिर्फ राव बहादुर का अभिनय नहीं कर रहा था, मैं उसी के रूप में जी रहा था।

पोस्टर तो बहुत शानदार है, लेकिन टैगलाइन शक एक शैतान है और भी जिज्ञासा बढ़ा रही है, ये बताती है कि कहानी में कोई बुरा पहलू या मुश्किल होगी। इससे सबको ये जानने का मन कर रहा है कि ये पोस्टर और ये टैगलाइन कहानी में कैसे जुड़ते हैं।

जब जबरदस्त प्रोड्यूसर्स, एक दूरदर्शी निर्देशक, और एक शानदार अभिनेता साथ हों, तो राव बहादुर बनती है आने वाले सालों की सबसे ज्यादा इंतजार की जाने वाली भारतीय फिल्मों में से एक।

फिल्म की पहली झलक के तौर पर, एक खास वीडियो जिसका नाम है टीज़र भी नहीं इस स्वतंत्रता दिवस थिएटरों में रिलीज होगा और इसके बाद अगले हफ्ते डिजिटल प्लेटफॉर्म पर दिखाया जाएगा।

सुपरस्टार महेश बाबू और नम्रता शिरोडकर की जीएमबी एंटरटेनमेंट के साथ, राव बहादुर एक नई फिल्म है, जिसे प्रसिद्ध निर्देशक वेंकटेश माहा बना रहे हैं। वेंकटेश माहा ने पहले कांचरापालेम और उमा महेश्वर उग्र रूपस्य जैसी सफल फिल्में बनाई हैं। यह फिल्म ए+एस मूवीज और स्त्रीचक्रा एंटरटेनमेंट्स के साथ बनी है, जो तेलुगु सिनेमा की लोकप्रिय कंपनियां हैं। ए+एस मूवीज ने पहले जीएमबी एंटरटेनमेंट के साथ मेजर बनाई थी, और स्त्रीचक्रा एंटरटेनमेंट्स ने केए जैसी मशहूर फिल्म का समर्थन किया है। राव बहादुर की रिलीज़ गर्मियों 2026 में होगी।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित ।
शाखा कार्यालयः S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website : aryavartkranti.com
*सम्पादकः प्रभात पांडेय सम्पर्कः 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com